वर्ष : 34 » अंक :17 » पृष्ठ : 8 » मुंबई, मंगलवार, 25 मार्च 2025 » RNI: MAHHIN/49994/91 » मूल्य : 3 रुपए » epaper.dobajedopahar.com » संपादक : अरुण लाल

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

- CDR से लेकर खाते तक की होगी जांच, 'मास्टरमाइंड' की भी तलाश

» बयान पर सियासी पारा हाई

» विपक्ष ने की तोड़फोड़ की निंदा

» शिवसेना ने बताया स्वाभाविक प्रतिक्रिया

अब सरकार खंगालेगी कुणाल की कुंडली

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर कथित अपमानजनक टिप्पणी को लेकर स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा विवादों में घिर गए हैं। महाराष्ट्र सरकार ने उनके कॉल डिटेल रिकॉर्ड (CDR), बैंक खातों और अन्य गतिविधियों की जांच का आदेश दिया है। गृह राज्य मंत्री योगेश कदम ने कहा कि सरकार इस घटनाक्रम के पीछे के 'मास्टरमाइंड' को भी बेनकाब करेगी। गृह राज्य मंत्री योगेश कदम ने विधान परिषद में ऐलान किया कि कामरा की कॉल डिटेल, बैंक खातों और अन्य स्रोतों की गहन जांच होगी। महाराष्ट्र पुलिस उनकी लोकेशन ट्रैक कर रही है और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की तैयारी में है।

कुणाल कामरा ने क्या दिया था बयान?

कॉमेडियन कुणाल कामरा ने अपने शो में महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे पर उनका नाम लिए बिना विवादित टिप्पणी की थी। उन्होंने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर बिना नाम लिए कटाक्ष करते हुए उन्हें गद्दार बोला था। इस विवादित टिप्पणी को लेकर कुणाल कामरा पर केस भी दर्ज किया गया है।

विवादित बयान के बाद जमकर हुआ बवाल

वहीं इस विवादित बयान के बाद भड़के शिवसैनिकों ने जहां शो का आयोजन किया गया था, वहां धावा बोल दिया। जानकारी के मुताबिक, मुंबई के खार इलाके में होटल यूनिकॉन्टिनेंटल में शिवसेना के कार्यकर्ताओं की ओर से तोड़फोड़ की गई। इसके बाद शिवसेना युवा सेना (शिंदे गुट) के महासचिव राहुल कनाल और 12 अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई और उसके बाद गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के कुछ समय बाद ही तोड़फोड़ मामले में सभी 12 आरोपियों को जमानत दे दी गई।

राजनीतिक प्रतिक्रियाएं

देवेंद्र फडणवीस की चेतावनी

कुणाल कामरा विवाद में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का बयान सामने आया है। उन्होंने साफ कहा है कि इस तरह की कॉमेडी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। फडणवीस ने स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा से उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर की गई टिप्पणियों के लिए माफी मांगने को भी कहा है। फडणवीस ने कुणाल कामरा की कॉमेडी को 'निम्न स्तर की कॉमेडी' बताया। देवेंद्र फडणवीस ने आगे कहा कि कामरा ने संविधान को वही 'लाल संविधान' दिखाया है जो राहुल गांधी दिखा रहे हैं। लेकिन न तो उन्होंने और न ही राहुल ने संविधान पढ़ा है। फडणवीस ने कहा कि अगर उन्होंने संविधान पढ़ा होता तो उसमें लिखा है कि आपके पास अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है, लेकिन यह किसी अन्य व्यक्ति की स्वतंत्रता पर अतिक्रमण नहीं कर सकते। आप जानबूझकर अपमान नहीं कर सकते।

डिप्टी सीएम अजित पवार ने दी नसीहत

वहीं इस विवाद पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि किसी को भी कानून और संविधान का उल्लंघन नहीं करना चाहिए। उन्हें अपनी बातों पर नियंत्रण रखना चाहिए। पवार ने कहा, 'किसी को भी कानून और संविधान का उल्लंघन नहीं करना चाहिए।

कुणाल कामरा के सपोर्ट में उतरे उद्धव ठाकरे

शिवसेना (यूबीटी) के नेता उद्धव ठाकरे एक तरह से कामरा के समर्थन में आगे आ गए हैं। उद्धव ठाकरे ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि कुणाल कामरा ने कुछ गलत कहा है। जो गद्दार है, वो गद्दार है।

बयान पर महाराष्ट्र विधानसभा में हंगामा

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा की व्यंगात्मक टिप्पणी को लेकर सोमवार को विधानमंडल के दोनों सदनों में भारी हंगामा हुआ। शोरशराबे के चलते अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने सदन की कार्यवाही पांच मिनट के लिए स्थगित कर दी। बाद में जब कार्यवाही दोबारा शुरू हुई, तो CM फडणवीस ने आश्वासन दिया कि इस मामले में सख्त कार्रवाई होगी।

क्या बोले सत्तापक्ष के नेता?

शिंदे गुट के विधायक अर्जुन खोतकर ने कहा कि कामरा पहले भी प्रधानमंत्री और सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ टिप्पणी कर चुके हैं। ऐसे में उन पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। भाजपा विधायक प्रवीण दरेकर ने विधान परिषद में कामरा को तत्काल गिरफ्तार करने की मांग की। सीएम फडणवीस ने कहा कि हम अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान करते हैं, लेकिन अगर कोई सुपारी लेकर हमारा अपमान करता है, तो कार्रवाई जरूर होगी।

विपक्ष का पलटवार

नेता प्रतिपक्ष अंबादास दानवे ने कहा कि कामरा ने जो कहा, वह सत्य है और इसे मजाकिया लहजे में लिया जा सकता था। लेकिन इसके बजाय खार में होटल में तोड़फोड़ की गई, जिससे कानून-व्यवस्था बिगड़ी। ऐसे में कार्रवाई तोड़फोड़ करने वालों पर होनी चाहिए, न कि कामरा पर।

कुणाल कामरा ने माफी से किया इनकार

स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर की गई व्यंगात्मक टिप्पणी को लेकर माफी मांगने से साफ इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कुछ गलत नहीं किया है, इसलिए माफी का सवाल ही नहीं उठता। मुंबई पुलिस से फोन पर हुई बातचीत में कामरा ने कहा कि मैं तमिलनाडु में हूं, मैंने किसी से सुपारी नहीं ली। उन्होंने कहा कि अगर कोर्ट कहेगा तो माफी मांग लूंगा, लेकिन अभी नहीं।

बीएमसी ने स्टूडियो को किया धराशायी

मुंबई के खार स्थित हैबिटेट स्टूडियो को सोमवार को बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने कथित निर्माण उल्लंघन के कारण ध्वस्त कर दिया। बीएमसी की यह कार्रवाई शिवसैनिकों द्वारा रविवार देर रात स्टूडियो और होटल में तोड़फोड़ किए जाने के एक दिन बाद की गई। नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि होटल के बेसमेंट में बनाए गए अस्थायी शेड और अन्य संरचनाओं को हटाया गया, क्योंकि इनका निर्माण बिना नगर निगम की अनुमति के किया गया था। अधिकारी ने यह भी बताया कि अब बीएमसी होटल की जांच करेगी कि सब कुछ अनुमत योजना के अनुसार है या नहीं।

न्यूज़ ब्रीफ

इमारत में भीषण आग, एक की मौत, 3 घायल

मुंबई। विद्याविहार रेलवे स्टेशन के सामने स्थित एक 13 मंजिला इमारत में सोमवार सुबह भीषण आग लग गई। इसमें दो सुरक्षा गार्ड सहित चार लोग झुलस गए जिसमें से एक मौत हो गई। आग में झुलसे तीन लोगों का नजदीकी अस्पताल में इलाज चल रहा है। इमारत में आग लगने की सूचना मिलने पर दमकल विभाग और पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और इमारत में फंसे 15-20 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। इसकी वजह से कई लोगों की जान बच गई। नीलकंठ किंगडम कॉम्प्लेक्स में सोमवार सुबह करीब 4.35 बजे आग लगी थी। ग्राउंड फ्लोर से शुरू हुई आग ने पहली और दूसरी मंजिल के फ्लैट को भी अपनी जद में ले लिया था। आग में सात फ्लैट जलकर खाक हो गए हैं।

'जीवित सातबारा' विशेष अभियान 1 अप्रैल से लागू

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार राज्य के सभी जिलों में 'जीवित सातबारा' विशेष अभियान 1 अप्रैल से शुरू करने जा रही है। इस अभियान के तहत सातबारा (7/12 भूमि अभिलेख) से मृतक खाताधारकों के नाम हटाए जाएंगे और जीवित खातेदारों को उत्तराधिकारी पंजीयन अभिलेख में नाम अपडेट करने का अधिकार मिलेगा। विधान परिषद में राज्य के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मृतक खाताधारकों के नाम हटाने की प्रक्रिया जटिल होने के कारण उनके परिजनों को तहसील कार्यालयों के कई चक्कर लगाने पड़ते हैं।

देवभाऊ के योगी मॉडल पर रोक

बॉम्बे हाईकोर्ट ने दो आरोपियों के घरों को गिराने पर रोक लगाई, प्रशासन को लगाई फटकार

» कोर्ट का आदेश आने से पहले दंगे के आरोपी फहीम खान का घर जमींदोज

डीबीडी संवाददाता | मुंबई/नागपुर

बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच ने नागपुर हिंसा मामले में दो आरोपियों के घरों को गिराने की प्रशासनिक कार्रवाई पर रोक लगा दी है। अदालत ने इस मामले में प्रशासन के रवैये को मनमाना और दमनकारी बताते हुए कड़ी फटकार भी लगाई। बता दें कि, नागपुर में हुई हिंसा के बाद स्थानीय प्रशासन ने आरोपियों के घरों को तोड़ने की कार्रवाई शुरू की थी, जिसे लेकर अदालत में चुनौती दी गई थी। इस मामले की अगली सुनवाई जल्द होने की संभावना है।

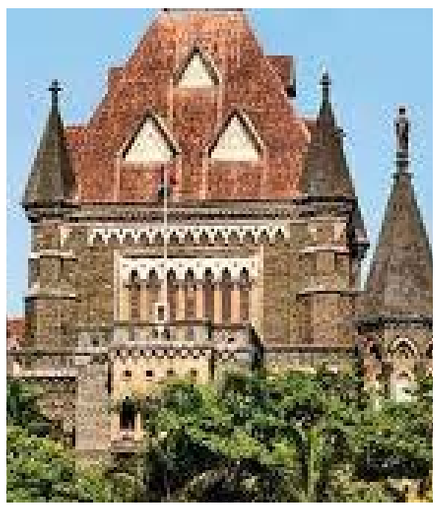

भारी सुरक्षा में हुई थी तोड़फोड़

सोमवार सुबह पुलिस सुरक्षा में नगर निगम ने फहीम खान का घर गिराना शुरू किया। उनके घर को बिना इजाजत बनी अवैध इमारत बताया गया। वहीं दूसरे आरोपी यूसुफ शेख के घर का भी एक अवैध हिस्सा तोड़ा जा रहा था, लेकिन कोर्ट के आदेश के बाद कार्रवाई रोक दी गई। बता दें कि, फहीम खान 'माइनॉरिटी डेमोक्रेटिक पार्टी' (एमडीपी) के नेता हैं।

आदेश से पहले ही तोड़ा गया फहीम का घर

हालांकि, कोर्ट का आदेश आने से पहले ही फहीम खान के दो मंजिला घर को तोड़ा जा चुका था। वहीं, कोर्ट के आदेश के बाद यूसुफ शेख के घर के अवैध हिस्से को तोड़ने की कार्रवाई रोक दी गई।

वहीं फहीम खान और यूसुफ शेख ने अपने घरों की तोड़फोड़ के खिलाफ हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल की थी। इस पर जस्टिस नितिन साम्बरे और वृषाली जोशी की बेंच ने सुनवाई की। कोर्ट ने सवाल किया कि बिना सुनवाई के घरों को कैसे तोड़ा गया? फहीम खान के वकील अश्विन इंगोले ने बताया कि कोर्ट ने सरकार और नगर निगम से जवाब मांगा है और अगली सुनवाई 15 अप्रैल को होगी। अगर तोड़फोड़ अवैध पाई गई, तो नुकसान की भरपाई प्रशासन को करनी होगी।

माइक्रो प्लास्टिक पर रोक के लिए हाईकोर्ट सख्त

» केंद्र और राज्य सरकार से मांगा जवाब

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने समुद्री जीवन और मानव स्वास्थ्य के लिए माइक्रो प्लास्टिक के खतरे को गंभीरता से लेते हुए केंद्र और राज्य सरकार को हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। अदालत ने पूछा है कि माइक्रो प्लास्टिक को नियंत्रित करने के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए हैं। इस मामले की अगली सुनवाई 21 अप्रैल को होगी।

मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे और न्यायमूर्ति मकरंद कार्णिक की पीठ के समक्ष कंजरवेशन ऐक्शन ट्रस्ट की ओर से वकील रोनिता भट्टाचार्य ने हस्तक्षेप याचिका दायर की। याचिका में दावा किया गया है कि सूक्ष्म प्लास्टिक (5 मिमी से छोटे कण) मछलियों और अन्य समुद्री जीवों के शरीर में पहुंच रहे हैं, जिससे उनका जीवन संकट में है।

मानव जीवन के लिए भी खतरनाक

याचिका में कहा गया है कि प्लास्टिक के कंटेनरों में पैक खाद्य पदार्थ, बोतलबंद पानी, दूध के पाउच और दवाइयों के जरिए माइक्रो प्लास्टिक इंसानों के शरीर में प्रवेश कर रहा है, जिससे गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

पीठ ने 4 अक्टूबर 2024 को प्लास्टिक कचरे की समस्या का संज्ञान लिया था। अदालत ने कहा कि माइक्रो प्लास्टिक समुद्र में जाता है और फिर किनारों पर लौट आता है। इसका असर पूरे मुंबई के समुद्री तटों पर पड़ रहा है।

माननीयों की बल्ले-बल्ले

सांसदों की सैलरी 24% बढ़ी, हर सांसद को अब 1.24 लाख मिलेंगे

» पूर्व सांसदों की पेंशन बढ़ाकर 31 हजार की गई

एजेंसी | नई दिल्ली

सरकार ने सांसदों की सैलरी में 24% का इजाफा कर दिया है। सोमवार को संसदीय कार्य मंत्रालय ने इसकी अधिसूचना जारी की। इसके मुताबिक मौजूदा सांसदों को अब 1.24 लाख रुपए प्रति माह मिलेगा। पहले उन्हें 1 लाख रुपए प्रति माह मिलते थे। यह बढ़ोतरी कॉस्ट इन्फ्लेशन इंडेक्स (लागत मुद्रास्फीति सूचकांक) के आधार पर की गई है। बढ़ी हुई सैलरी 1 अप्रैल 2023 से लागू होगी। इससे पहले मोदी सरकार ने 2018 में सांसदों के वेतन और भत्तों की हर पांच साल में समीक्षा का नियम बनाया था। यह समीक्षा महंगाई दर पर आधारित होती है। डेली अलाउंस और पेंशन भी बढ़ाई गई है। डेली अलाउंस 2 हजार रुपए से बढ़ाकर 2,500 कर दिया गया है। पूर्व सांसदों की पेंशन 25 हजार रुपए से प्रति माह से बढ़ाकर 31 हजार रुपए प्रति माह कर दी गई है। पांच साल से ज्यादा समय तक सांसद रहे सदस्यों को हर साल के लिए मिलने वाली एक्स्ट्रा पेंशन भी 2 हजार रुपए प्रति माह से बढ़ाकर 2,500 रुपए प्रति माह कर दी गई है।

अधिसूचना के मुताबिक कहां, कितना बदलाव हुआ

एक सांसद को निर्वाचन क्षेत्र भत्ता के रूप में 87,000 रुपए प्रति माह मिलेंगे, जबकि पहले यह 70,000 रुपए था। कार्यालय खर्च के लिए 75,000 रुपये मिलेंगे, जबकि पहले यह 60,000 रुपए था। इसमें कम्प्यूटर ऑपरेटर के लिए 50,000 और स्टेशनरी के लिए 25,000 रुपए शामिल हैं। कार्यकाल के दौरान एक बार 1 लाख रुपए का टिकाऊ फर्नीचर और 25,000 रुपए का गैर-टिकाऊ फर्नीचर खरीदने के लिए सुविधा मिलेगी।

2018 में बढ़ाया गया था सांसदों का वेतन

2018 में तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने सांसदों का वेतन 50,000 रुपए से बढ़ाकर एक लाख रुपए कर दिया था। जेटली ने हर पांच साल में वेतन और भत्तों को ऑटोमैटिक रिवाइज करने की व्यवस्था भी की थी, जिसके तहत इसे मुद्रास्फीति के मुताबिक किया जाता था। इस तरह सांसदों की सैलरी तय करने के लिए सिफारिशें करने की प्रथा समाप्त हो गई। 2020 में, COVID-19 महामारी के दौरान सरकार ने एक साल के लिए सांसदों और मंत्रियों के वेतन में 30% की कटौती की थी। 2025 में की गई बढ़ोतरी आयकर अधिनियम 1961 में दी गई कॉस्ट इन्फ्लेशन इंडेक्स के आधार पर संसद सदस्यों के वेतन, भत्ते और पेंशन अधिनियम में दी गई शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए की गई है।

पीएनबी घोटाला

सीबीआई ने दाखिल की पूरक चार्जशीट

» नीरव मोदी की बहन को बनाया आरोपी

मुंबई। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने सोमवार को पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले में एक पूरक चार्जशीट दाखिल की है। जिसमें मुख्य आरोपी नीरव मोदी की बहन पूरवी मेहता को आरोपी बनाया गया है। सीबीआई ने यह चार्जशीट विशेष सीबीआई अदालत में विशेष लोक अभियोजक ए. लिमोसिन के माध्यम से दाखिल की।

चार्जशीट में पूरवी मेहता के अलावा फायरस्टार ग्रुप ऑफ कंपनियों के अधिकारी आदित्य नानावटी को भी आरोपी बनाया गया है। बेल्जियम की नागरिक पूरवी मेहता पर आरोप है कि उन्होंने पीएनबी से जारी किए गए लेटर्स ऑफ अंडरटेकिंग के जरिए प्राप्त फंड का लाभ उठाया।

ईडी केस में सरकारी गवाह बने पूरवी और मयंक मेहता

इससे पहले, प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूरवी और मयंक मेहता को आरोपी बनाया गया था। लेकिन अब दोनों इस केस में सरकारी गवाह बन चुके हैं। नीरव मोदी और उनके मामा मेहुल चोकसी इस घोटाले के मुख्य आरोपी हैं।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

डॉक्टरों की लापरवाही से हुई महिला की मौत

▸▸ विष्णुनगर पुलिस थाने में मामला दर्ज

डीबीडी संवाददाता | डोंबिवली

शास्त्रीनगर नगरपालिका अस्पताल में प्रसव के लिए भर्ती कराई गई 26 वर्षीय सुवर्णा सरोदे की मौत के मामले में दो डॉक्टरों के खिलाफ लापरवाही का मामला दर्ज किया गया है। मनपा जांच समिति की रिपोर्ट में आउटसोर्सिंग संस्था के डॉक्टरों को दोषी ठहराया गया, जिसके बाद विष्णुनगर पुलिस ने डॉ. संगीता पाटिल और डॉ. मीनाक्षी केंद्र के खिलाफ IPC की धारा 106(1) और 3(5) के तहत केस दर्ज किया है।

सिजेरियन के बाद बिगड़ी तबीयत, दो दिन में मौत

सुवर्णा सरोदे पहले से सिजेरियन डिलीवरी करा चुकी थीं और इस बार भी डॉक्टरों ने उन्हें सीजेरियन करने का फैसला लिया। लेकिन ऑपरेशन के बाद अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और गर्भाशय से लगातार रक्तस्राव होने लगा। स्थिति गंभीर होने पर उनका गर्भाशय निकालना पड़ा, लेकिन दो दिन बाद उनकी मौत हो गई।

मनपा अस्पतालों की सेवाओं पर सवाल

इस घटना के बाद मनपा अस्पतालों की चिकित्सा सेवाओं को लेकर सवाल उठ रहे हैं। नागरिकों में नाराजगी है और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की बात कही जा रही है। फिलहाल, सहायक पुलिस निरीक्षक प्रशांत मोरे मामले की जांच कर रहे हैं और प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मनपा जांच रिपोर्ट और कार्रवाई

घटना की गंभीरता को देखते हुए मनपा आयुक्त डॉ. इंदुरानी जाखड़, उपायुक्त प्रसाद बोरकर और जिला सर्जन कैलास पवार की देखरेख में जांच समिति का गठन किया गया। रिपोर्ट में डॉ. संगीता पाटिल और डॉ. मीनाक्षी केंद्र की लापरवाही सामने आई, जिसके आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया।

राजनीतिक और सामाजिक दबाव

ठाकरे गुट के नेता दीपेश म्हात्रे ने आउटसोर्सिंग संस्था को मनपा से बर्खास्त करने और पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग की। विधायक गोपालराव मते और मनोज शिंदे ने यह मामला विधानमंडल में उठाया और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

गावदेवी मार्केट में कपड़े बैग वेंडिंग मशीनें स्थापित

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

प्लास्टिक बैग के उपयोग को रोकने और कपड़े के बैग को बढ़ावा देने के लिए ठाणे नगर निगम और रोटरी क्लब ऑफ ठाणे नॉर्थ ने गावदेवी मार्केट, नौपाड़ा में दो कपड़े बैग वेंडिंग मशीनें स्थापित की हैं। अब ग्राहक 10 रुपये डालकर मशीन से कपड़े का थैला प्राप्त कर सकते हैं। सोमवार सुबह इन मशीनों का उद्घाटन ठाणे नगर निगम की मुख्य पर्यावरण अधिकारी मनीषा प्रधान और रोटरी जिला 3124 के प्रांतीय आयुक्त दिनेश मेहता के हाथों हुआ। इस अवसर पर रोटरी क्लब ऑफ ठाणे नॉर्थ की अध्यक्ष मेधा जोशी, सचिव अमोल नाले, जिला सचिव संतोष भिड़े सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

आगे भी लगेंगी मशीनें

मुख्य पर्यावरण अधिकारी मनीषा प्रधान ने बताया कि रोटरी क्लब के सहयोग से ठाणे के अन्य बाजारों में भी ऐसी वेंडिंग मशीनें लगाई जाएंगी। यह पहल प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

डोंबिवली रेलवे स्टेशन क्षेत्र में तुरंत पार्किंग शुरू करें, अन्यथा आंदोलन : ठाकरे गुट

डीबीडी संवाददाता | डोंबिवली

डोंबिवली। शिवसेना (ठाकरे गुट) ने डोंबिवली पश्चिम रेलवे स्टेशन क्षेत्र में पार्किंग सुविधा बहाल करने की मांग की है। जिला प्रमुख दीपेश म्हात्रे के मार्गदर्शन में शहर प्रमुख प्रकाश तेलगोटे और अन्य कार्यकर्ताओं ने रेलवे प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए 10 दिनों के भीतर पार्किंग शुरू करने की चेतावनी दी है।

यात्रियों को हो रही परेशानी

पिछले कुछ महीनों से द्वारका होटल के पास रेलवे क्षेत्र में पार्किंग बंद होने के कारण महिलाओं, बुजुर्गों, छात्रों और यात्रियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। दैनिक यात्रियों को गाड़ियां सड़क पर खड़ी करनी पड़ती हैं, जिससे यातायात जाम हो रहा है। रेलवे प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर तुरंत पार्किंग सुविधा बहाल करने की मांग की गई है। ठाकरे गुट ने साफ चेतावनी दी है कि यदि 10 दिन के भीतर पार्किंग सुविधा शुरू नहीं की गई तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान शहर प्रमुख प्रकाश तेलगोटे, विभाग प्रमुख शाम चौगले, राजेंद्र सावंत, प्रकाश कदम, मंदार निकम, ऋतूनिल पावस्कर, शेखर चव्हाण, प्रिया दांडगे और सायली जगताप सहित कई शिवसैनिक मौजूद थे।

कुणाल कामरा के खिलाफ शिवसैनिकों का विरोध प्रदर्शन

डीबीडी संवाददाता | डोंबिवली

डोंबिवली। स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और शिवसेना (शिंदे गुट) पर व्यंग्यात्मक गीत प्रस्तुत करने के बाद विवाद खड़ा हो गया। इस मामले को लेकर शिंदे गुट के शिवसैनिकों ने डोंबिवली में विरोध प्रदर्शन किया। सोमवार को शिवसेना (शिंदे गुट) के कार्यकर्ता डोंबिवली के इंदिरा चौक पर एकत्र हुए और कुणाल कामरा की तस्वीर पर कालिख पोतकर तथा चप्पल मारकर अपना गुस्सा जाहिर किया। इसके अलावा, रामनगर थाने में उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई, जिसके बाद पुलिस ने कामरा के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

शिवसेना कार्यकर्ताओं की नाराजगी

शिंदे गुट के नेताओं का कहना है कि कामरा के व्यंग्यात्मक गीत का मकसद एकनाथ शिंदे की छवि खराब करना है। कल्याण ग्रामीण के जिला अध्यक्ष महेश पाटिल ने कहा कि हमारे नेता को जनता का समर्थन मिला है, जिसे विरोधी स्वीकार नहीं कर पा रहे। अब हास्य कलाकारों के जरिए उनकी छवि खराब करने की कोशिश हो रही है। विरोध प्रदर्शन में पूर्व नगरसेवक महेश पाटिल, विश्वनाथ राणे, संजय पावशे और दत्ता वझे समेत कई शिवसैनिक

मुरबाड के 500 चावल किसानों का रुका बोनस जल्द मिलेगा: मंत्री

मुंबई/ठाणे। मुरबाड के 500 चावल किसानों को 2020-21 से मिलने वाला 500 रुपये प्रति क्विंटल बोनस अभी तक नहीं मिला है। विधायक संजय केलकर ने विधानसभा सत्र में इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि ऑनलाइन पंजीकरण में बाधाओं के कारण किसानों का लाखों रुपये का बोनस रुका हुआ है।

सरकार का आश्वासन

मंत्री ने सदन में जवाब देते हुए स्वीकार किया कि बोनस रुका हुआ है। अब तक 3,263 किसानों का पंजीयन हो चुका है और उन्हें बोनस मिल गया है। शेष 500 किसानों को भी जल्द ही बोनस दिया जाएगा। वित्तीय स्वीकृति मिल चुकी है और यह मुद्दा कैबिनेट बैठक में रखा गया है। कैबिनेट से मंजूरी मिलते ही 79 लाख रुपये किसानों के खातों में जमा कर दिए जाएंगे।

कल्याण-भांडुप में 254 करोड़ रुपये की बिजली बिल वसूली की चुनौती

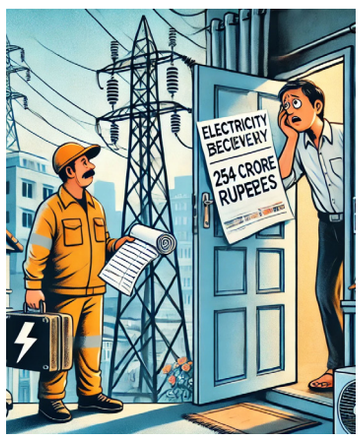

डीबीडी संवाददाता | कल्याण

कल्याण और भांडुप सर्किलों में बिजली उपभोक्ताओं से 254 करोड़ रुपये की बकाया और चालू बिजली बिल वसूली एक बड़ी चुनौती बन गई है। महावितरण ने उपभोक्ताओं से बकाया राशि का शीघ्र भुगतान करने की अपील की है, अन्यथा उनकी बिजली आपूर्ति काटी जा सकती है। मार्च माह के अंत को देखते हुए बिजली कर्मचारियों को तेज गर्मी में भी वसूली अभियान तेज करना पड़ा है।

क्षेत्रवार बकाया राशि

कल्याण संभाग के अंतर्गत चार संभागीय कार्यालयों को 118.55 करोड़ रुपये की वसूली करनी है, जिसमें मार्च 2024 तक 1.21 करोड़ रुपये और अप्रैल 2024 से फरवरी 2025 के बीच 22.16 करोड़ रुपये का बकाया शामिल है। वहीं, भांडुप विभाग में ठाणे, वाशी और पेण क्षेत्रों में 135.31 करोड़ रुपये की वसूली शेष है, जिसमें 76.94 करोड़ रुपये का पुराना बकाया शामिल है।

महावितरण का सख्त रुख और उपभोक्ताओं के लिए सुविधा

महावितरण ने उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए बिजली बिल भुगतान केंद्र रविवार और अन्य छुट्टियों पर भी खुले रखने की घोषणा की है। साथ ही, ऑनलाइन भुगतान विकल्पों जैसे महावितरण वेबसाइट, मोबाइल ऐप, डेबिट/क्रेडिट कार्ड और नेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान करने की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। कंपनी ने सभी ग्राहकों से समय पर भुगतान करने की अपील की है ताकि बिजली आपूर्ति में किसी प्रकार की बाधा न आए।

शिंदे गुट की महिला कार्यकर्ता ने पूर्व नगरसेवक को बीच सड़क पर पीटा

एजेंसी | कल्याण

महाराष्ट्र के कल्याण में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां शिवसेना शिंदे गुट की महिला कार्यकर्ता रानी कपोते ने पूर्व नगरसेवक मोहन उगले को बीच सड़क पर थप्पड़ों से पीट दिया। घटना का वीडियो मोबाइल में कैद हो गया और सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

क्या है मामला?

जानकारी के मुताबिक, एक सड़क निर्माण कार्य के भूमिपूजन को लेकर मोहन उगले और रानी कपोते के बीच विवाद हुआ। महिला कार्यकर्ता रानी कपोते का आरोप है कि मोहन उगले ने बहस के दौरान उनके शरीर को शर्मनाक तरीके से छुआ, जिसके बाद उन्होंने गुस्से में आकर पूर्व नगरसेवक की पिटाई कर दी।

मोहन उगले का बयान

पूर्व नगरसेवक मोहन उगले ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि महिलाओं को कानून द्वारा सुरक्षा प्राप्त है। हमने उस महिला को अब तक कुछ नहीं कहा है और न ही कुछ कहेंगे, लेकिन पार्टी को ऐसे लोगों के खिलाफ उचित कार्रवाई करनी चाहिए।

गोरेवाडा जू में बाघों और तेंदुए की मौत बर्ड फ्लू से, अंतिम रिपोर्ट का इंतजार

मुंबई/नागपुर। बालासाहेब ठाकरे गोरेवाडा अंतरराष्ट्रीय प्राणी संग्रहालय में तीन बाघों और एक तेंदुए की मौत बर्ड फ्लू के कारण हुई है। हालांकि, इस संबंध में भोपाल के राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान की अंतिम रिपोर्ट अभी नहीं आई है। महाराष्ट्र के वन मंत्री गणेश नाईक ने विधान परिषद में यह जानकारी दी और आश्वासन दिया कि रिपोर्ट मिलने के बाद सदन में पेश की जाएगी। शिवसेना (शिंदे गुट) की विधायक मनीषा कायंदे ने इस मुद्दे पर सवाल उठाते हुए कहा कि राज्य में कई पशु चिकित्सक मंत्रियों के विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) बनाए गए हैं, जिससे वन्य प्राणियों की देखभाल में कमी आ रही है। इस पर वन मंत्री ने कहा कि वे मंत्री कार्यालयों में पशु चिकित्सकों की नियुक्ति की जानकारी लेंगे और उन्हें वन्य प्राणियों की सेवा में लौटने की सलाह देंगे।

तुलिंज पुलिस ने निकाला रूट मार्च

डीबीडी संवाददाता | नालासोपारा

मीरा-भयंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय के आदेशानुसार, नालासोपारा के तुलिंज पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विजय जाधव व सहयोगी अधिकारियों, कर्मचारियों द्वारा क्षेत्र मे रूट मार्च किया गया। नालासोपारा तुलिंज पुलिस थाने से सेंट्रल पार्क, ओसवाल, रहमत नगर, नागिनदास, विरार रोड होते हुए अधिकारी तुलिंज थाने में पहुंचे।

इस दौरान पुलिस बल के जवानों को दंगा नियंत्रित करने तथा आपातकालीन स्थिति को समझते हुए इसे काबू कैसे करें, इसके भी दिशा-निर्देश दिए गए।

यौन शोषण से तंग आकर सौतेले पिता पर हमला

▸▸ गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

नालासोपारा के संतोष भुवन इलाके में रिश्तों को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 24 वर्षीय युवती ने अपने सौतेले पिता का चाकू से गुप्तांग काट दिया। यह घटना सोमवार दोपहर करीब तीन बजे हुई। आरोपी युवती को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है, जबकि गंभीर रूप से घायल सौतेले पिता को मुंबई के शताब्दी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

लगातार शारीरिक शोषण से तंग थी युवती

पुलिस के मुताबिक, आरोपी युवती की मां ने दूसरी शादी की थी। उसका 45 वर्षीय सौतेला पिता पिछले एक साल से उसका शारीरिक शोषण कर रहा था। सोमवार को जब उसने फिर जबरदस्ती करने की कोशिश की, तो युवती ने आत्मरक्षा में उस पर हमला कर दिया।

पुलिस ने युवती को हिरासत में लिया

सोमवार को युवती ने पहले सौतेले पिता की आंख पर पट्टी बांध दी और फिर चाकू से उसके गुप्तांग पर हमला कर दिया। दर्द से तड़पते हुए वह व्यक्ति घर से बाहर भागा, लेकिन युवती ने उसका पीछा किया और सड़क पर भी हमला किया। इस घटना को अंजाम देने के बाद युवती खून से सने चाकू के साथ सड़क पर घूम रही थी। इसकी सूचना मिलते ही तुलिंज पुलिस मौके पर पहुंची और युवती को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने घायल सौतेले पिता को अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन उसकी स्थिति बिगड़ती देख उसे मुंबई के शताब्दी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तुलिंज पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विजय जाधव ने बताया कि सौतेला पिता युवती से दुराचार की वारदात को अंजाम दे रहा था। इससे नाराज युवती ने जानलेवा हमला किया है।

चारकोल प्रतिबंध पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने मांगा एमपीसीबी से जवाब

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने सोमवार को महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एमपीसीबी) से यह स्पष्ट करने को कहा कि क्या चारकोल (काठकोयला) स्वीकृत ईंधन की श्रेणी में आता है और यह प्रदूषणकारी नहीं है। अदालत ने एमपीसीबी को 21 अप्रैल तक इस संबंध में रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। बॉम्बे चारकोल व्यवसाय एसोसिएशन (बीसीएमए) की याचिका पर मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे और न्यायमूर्ति मकरंद कार्णिक की पीठ ने सुनवाई की। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति ने चारकोल को स्वीकृत ईंधन की मानक सूची में शामिल किया है, लेकिन महाराष्ट्र में इसे प्रतिबंधित करने की कोशिश की जा रही है।

चारकोल और कोयले को लेकर विवाद

याचिकाकर्ताओं के वकील प्रेरक चौधरी ने दलील दी कि एमपीसीबी और बीएमसी ने 9 जनवरी के हाईकोर्ट आदेश की गलत व्याख्या की, जिसमें लकड़ी और कोयले पर चलने वाली बेकरी को छह महीने के भीतर हरित ईंधन में परिवर्तित करने का निर्देश दिया गया था। उन्होंने कहा कि चारकोल को कोयले जैसा मानकर बेकरी और होटलों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं, जबकि चारकोल कोयले की तरह प्रदूषणकारी नहीं है।

एमपीसीबी को देना होगा स्पष्टीकरण

एमपीसीबी के वकील आशुतोष कुंभकोनी ने कहा कि नोटिस में कोयले का जिक्र किया गया था, न कि चारकोल का। उन्होंने सुझाव दिया कि एक विशेषज्ञ समिति इस मुद्दे पर विचार कर सकती है। हाई कोर्ट ने कहा कि एमपीसीबी चारकोल को स्वीकृत ईंधन की सूची में शामिल करने और इसके प्रदूषण स्तर पर निर्णय लेने से पहले व्यवसायियों को सुनवाई का अवसर दे। अदालत ने एमपीसीबी और राज्य सरकार को 21 अप्रैल से पहले अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है।

उल्हासनगर मनपा का बजट पेश

जल कर और पूंजी मूल्य आधारित कर प्रणाली पर जोर

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

उल्हासनगर महानगरपालिका ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 988.72 करोड़ रुपये का बजट सोमवार को पेश किया। इस बजट में 988.18 करोड़ रुपये का व्यय और 54 लाख रुपये की शेष राशि का प्रावधान किया गया है।

महत्वपूर्ण घोषणाएं

- जल कर में वृद्धि : कई वर्षों से जल शुल्क नहीं बढ़ाया गया था, जिसे इस वर्ष से लागू किया जाएगा।
- पूंजी मूल्य आधारित कर प्रणाली : संपत्ति कर में वृद्धि किए बिना नई कर प्रणाली अपनाने का संकेत।
- स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर :सड़कें, चौराहे, स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र, पार्क, शौचालय, कब्रिस्तान आदि को अपग्रेड किया जाएगा।
- पर्यावरणीय सुधार : इलेक्ट्रिक बसों के लिए 4 करोड़ रुपये, सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट के लिए 1 करोड़ रुपये, एलईडी लाइट प्रतिस्थापन के लिए 3.5 करोड़ रुपये और हरित परियोजनाओं के लिए 6.5 करोड़ रुपये का प्रावधान।
- सीवेज ट्रीटमेंट प्रोजेक्ट :5 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

राजस्व बढ़ाने के प्रयास

मनपा की करीब 900 करोड़ रुपये की देनदारियों को देखते हुए प्रशासन ने संपत्तियों के पुनर्मूल्यांकन, व्यापार लाइसेंस नीति, विज्ञापन और होर्डिंग दरों में बदलाव सहित कई कदम उठाने का निर्णय लिया है। जल मीटर लगाने का भी प्रस्ताव है, ताकि जल उपयोग के आधार पर शुल्क लिया जा सके। आयुक्त मनीषा अह्राले ने बजट को स्मार्ट और पर्यावरण हितैषी बनाने पर जोर दिया है, जिससे नगर पालिका की वित्तीय स्थिति मजबूत करने के साथ-साथ शहर का विकास किया जा सके।

पवई में सड़क पर दिखा मगरमच्छ

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

आईआईटी मुंबई के पवई इलाके में रविवार देर रात करीब छह फीट लंबा मगरमच्छ खुलेआम घूमता हुआ नजर आया, जिससे स्थानीय निवासियों में डर का माहौल बन गया। हालांकि, कई लोग मगरमच्छ की तस्वीरें और वीडियो लेने के लिए भीड़ में जुट गए। आईआईटी बॉम्बे का परिसर बोरीवली के संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान और पवई झील से सटा हुआ है, जिससे यहां अक्सर वन्यजीव देखे जाते हैं। तेंदुए नजर आने की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं, लेकिन अब मगरमच्छों का खुले में घूमना चिंता बढ़ा रहा है। रविवार रात झील क्षेत्र में पद्मावती मंदिर के पास सड़क पर मगरमच्छ देखा गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी सूचना सुरक्षा गार्डों को दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ देर बाद मगरमच्छ वापस झील में चला गया।

पवई झील में मगरमच्छों की संख्या पवई झील मगरमच्छों का एक प्रमुख ठिकाना है। जुलाई 2022 में बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) द्वारा कराई गई गणना में झील में 18 वयस्क मगरमच्छों की मौजूदगी की पुष्टि हुई थी।

आखिरकार प्रशांत कोरटकर को लगी हथकड़ी

कोल्हापुर पुलिस ने तेलंगाना से किया गिरफ्तार

मुंबई/कोल्हापुर। इतिहासकार इंद्रजीत सावंत को धमकाने और छत्रपति शिवाजी महाराज व छत्रपति संभाजी महाराज को लेकर आपत्तिजनक बयान देने के आरोपी प्रशांत कोरटकर को आखिरकार गिरफ्तार कर लिया गया। वह कई दिनों से फरार था, जिसे कोल्हापुर पुलिस ने सोमवार को तेलंगाना से दबोच लिया।

क्या है मामला?

प्रशांत कोरटकर पर आरोप है कि उन्होंने इंद्रजीत सावंत को फोन पर जान से मारने की धमकी दी थी। इस मामले में कोल्हापुर और नागपुर में उनके खिलाफ केस दर्ज किया गया था। महाराष्ट्रभर में कोरटकर के बयान का विरोध हुआ, और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठी।

जमानत याचिका रद्द होने के बाद गिरफ्तारी

11 मार्च को कोल्हापुर अदालत ने कोरटकर की अग्रिम जमानत मंजूर की थी। सामाजिक संगठनों के विरोध के बाद कोल्हापुर पुलिस ने अदालत से जमानत रद्द करने की मांग की। अदालत ने जमानत रद्द कर दी, जिसके बाद पुलिस ने उनकी तलाश तेज कर दी।

भागने की अटकलें, फिर गिरफ्तारी

शुरुआत में कहा जा रहा था कि कोरटकर पश्चिम बंगाल और फिर दुबई भाग गया। लेकिन बाद में उनकी पत्नी ने उनका पासपोर्ट जमा करा दिया, जिससे यह साफ हो गया कि वह देश से बाहर नहीं गए थे।

सबूत नष्ट करने की कोशिश

कोरटकर ने गिरफ्तारी से बचने के लिए अपने मोबाइल फोन का सारा डेटा डिलीट कर दिया। इस पर इंद्रजीत सावंत ने सबूत नष्ट करने की साजिश का मामला दर्ज करने की मांग की। कोल्हापुर पुलिस ने नागपुर स्थित उनके आवास पर भी छानबीन की थी।

महात्मा ज्योतिराव फुले और सावित्रीबाई फुले को 'भारत रत्न' देने की सिफारिश

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा ने सोमवार को सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार से महात्मा ज्योतिराव फुले और सावित्रीबाई फुले को मरणोपरांत 'भारत रत्न' से सम्मानित करने की सिफारिश की। यह प्रस्ताव वाणिज्य एवं प्रोटोकॉल मंत्री जयकुमार रावल ने पेश किया, जिसे राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) के छगन भुजबल और कांग्रेस के विजय वडेट्टीवार ने समर्थन दिया।

फडणवीस और अजित पवार का समर्थन

मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने कहा कि महात्मा की उपाधि देश में सर्वोच्च थी, जिसे केवल महात्मा फुले और महात्मा गांधी को ही प्राप्त हुआ। 'भारत रत्न' देना उनकी विरासत को मान्यता देने का कार्य होगा। उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने इस प्रस्ताव को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह पुरस्कार उनकी महान सेवा की गरिमा को बढ़ाएगा।

ऊर्जा विभाग के 100 दिन का रिपोर्ट कार्ड जारी

दीपक पवार । मुंबई

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को मुंबई में ऊर्जा विभाग के तहत महावितरण, महानिर्मिति, महापारेषण और महाऊर्जा कंपनियों के पहले 100 दिनों के प्रदर्शन पर आधारित प्रगति पुस्तिका का विमोचन किया।

'वन हंड्रेड डेज फॉर ट्वेंटी-फाइव इयर्स' पुस्तक का विमोचन

महावितरण के स्वतंत्र निदेशक विश्वास पाठक द्वारा लिखित पुस्तक 'वन हंड्रेड डेज फॉर ट्वेंटी-फाइव इयर्स' में ऊर्जा क्षेत्र की दीर्घकालिक जरूरतों और पहले 100 दिनों में हासिल किए गए लक्ष्यों का विवरण दिया गया है। पुस्तक का विमोचन एमएसईबी होल्डिंग कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक में हुआ। इस मौके पर ऊर्जा राज्य मंत्री मेघना साकोरे बोर्डिकर, अतिरिक्त मुख्य सचिव (ऊर्जा) आभा शुक्ला, महावितरण के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक लोकेश चंद्र, महापारेषण के अध्यक्ष संजीव कुमार, महानिर्मिति के अध्यक्ष राधाकृष्णन बी., मुख्यमंत्री के सचिव अश्विनी भिड़े समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

बिजली दरों में कमी का प्रस्ताव

मुख्यमंत्री फडणवीस ने बताया कि सरकार के पहले 100 दिनों में महावितरण ने महाराष्ट्र विद्युत विनियामक आयोग में बिजली दरें कम करने का प्रस्ताव दायर किया है। राज्य की ऊर्जा परिवर्तन योजना के तहत नवीकरणीय ऊर्जा पर जोर दिया गया है, जिससे बिजली खरीद लागत में कमी आएगी और बिजली दरों को कम किया जा सकेगा। सरकार का लक्ष्य अगले 25 वर्षों तक राज्य की ऊर्जा जरूरतों को प्रभावी ढंग से पूरा करना है और यह रिपोर्ट कार्ड उसी दिशा में एक कदम है।

महाराष्ट्र में ढाई महीने में सांप्रदायिक तनाव की 800 से अधिक घटनाएं

सोशल मीडिया सबसे ज्यादा जिम्मेदार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में इस साल जनवरी से अब तक 823 सांप्रदायिक घटनाएं सामने आई हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, नागपुर में हुई हिंसा, औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग और सोशल मीडिया पर फैलाई गई झूठी खबरों के कारण राज्य में कई जगहों पर सांप्रदायिक तनाव बढ़ा है। हाल ही में नंदुरबार, पुणे (ग्रामीण), रत्नागिरी, सांगली, बीड और सतारा जैसे जिलों में भी सांप्रदायिक घटनाएं दर्ज की गई हैं। राज्य में इस साल अब तक 4,836 हिंदू-मुस्लिम से जुड़े विवाद सामने आए, जिनमें से 170 मामले गंभीर और 3,106 गैर-गंभीर थे।

मस्जिद के पास हंगामा

रत्नागिरी के राजापुर में होली के जुलूस के दौरान कुछ लोगों ने कथित रूप से मस्जिद के सामने नारेबाजी की और गेट को नुकसान पहुंचाया। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिससे इलाके में तनाव फैल गया। हालांकि, स्थानीय लोग इसे अपवाद मानते हैं और कहते हैं कि कोंकण क्षेत्र में हमेशा से हिंदू-मुस्लिम सौहार्द रहा है।

नागपुर में हिंसा और सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट

17 मार्च को नागपुर में बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद द्वारा औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया गया था, जिसके बाद कुछ इलाकों में हिंसा भड़क गई। इस दौरान सोशल मीडिया पर फैलाई गई अफवाहों ने भी स्थिति को और बिगाड़ दिया। महाराष्ट्र साइबर पुलिस ने 144 भड़काऊ पोस्ट की पहचान की, जिनमें से 37 लिंक हटाए गए और 107 पर कार्रवाई की गई।।

कोंकण में हिंदू-मुस्लिम एकता की परंपरा

राजापुर के रहने वाले मुन्ना सुरवे ने बताया कि वहां हिंदू और मुस्लिम त्योहारों को मिलकर मनाने की परंपरा रही है। ईद पर हिंदू अपने मुस्लिम दोस्तों के घर जाते हैं, वहीं गणेश उत्सव, होली और पालखी जुलूस में मुस्लिम भी शामिल होते हैं।

अवमानना याचिका पर महाराष्ट्र प्राधिकरण को 'सुप्रीम' नोटिस

देश विरोधी नारों पर हुई थी ध्वस्तीकरण कार्रवाई

डीबीडी संवाददाता । मुंबई/नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक अवमानना याचिका पर महाराष्ट्र प्राधिकरण से जवाब मांगा। दरअसल, कोर्ट सिंधुदुर्ग जिले में एक घर और दुकान के खिलाफ ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई थी। कार्रवाई क्रिकेट मैच के दौरान कथित भारत विरोधी नारे लगाने के मामले में की गई थी। इसी मामले में अवमानना कार्यवाही शुरू करने की मांग वाली याचिका पर महाराष्ट्र प्राधिकरण से जवाब मांगा गया है।

दुकान और घर को अवैध बताते हुए ध्वस्त कर दिया

एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि रात करीब 9.15 बजे जब शिकायतकर्ता अपने दोस्त के घर जा रहा था, तो याचिकाकर्ता के बेटे ने क्रिकेट मैच देखते हुए भारत विरोधी नारा लगाया। याचिकाकर्ता और उसके नाबालिग बेटे को आधी रात को पुलिस स्टेशन ले जाया गया और लड़के को चार-पांच घंटे बाद जाने दिया गया। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता और उसकी पत्नी को जेल भेज दिया गया, लेकिन अधिकारियों ने 24 फरवरी को उसकी टिन शेड वाली कबाड़ की दुकान और घर को अवैध बताते हुए ध्वस्त कर दिया।

याचिकाकर्ता का दावा, पीठ की टिप्पणी

याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि पिछले महीने चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच के दौरान कथित भारत विरोधी नारे लगाने के बारे में एक तुच्छ शिकायत दर्ज कराई गई थी। इसके बाद अधिकारियों की ओर से तोड़फोड़ की गई। न्यायमूर्ति बीआर गवई और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा, 'नोटिस जारी करें।' पीठ ने कहा कि याचिका पर चार सप्ताह बाद सुनवाई की जाएगी।

13 नवंबर, 2024 के फैसले का उल्लंघन करने का आरोप

सिंधुदुर्ग जिले के रहने वाले याचिकाकर्ता ने दावा किया कि चैंपियंस ट्रॉफी में भारत-पाकिस्तान मैच के दौरान कथित तौर पर भारत विरोधी नारे लगाने के लिए उसके, उसकी पत्नी और उसके 14 वर्षीय बेटे के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद 24 फरवरी को उसका घर और दुकान ध्वस्त कर दी गई थी। मैच में भारत ने पिछले दिन जीत दर्ज की थी। किताबुल्ला हमीदुल्ला खान की ओर से दायर याचिका में मालवन नगर परिषद के मुख्य अधिकारी और प्रशासक के खिलाफ अवमानना कार्यवाही शुरू करने के निर्देश देने की मांग की गई है। याचिका में तर्क दिया गया है कि यह कार्रवाई संपत्तियों को ध्वस्त करने के संबंध में शीर्ष अदालत के 13 नवंबर, 2024 के फैसले का उल्लंघन है। फैसले में अखिल भारतीय दिशा-निर्देश निर्धारित किए गए थे। इसमें बिना पूर्व कारण बताओ नोटिस और पीड़ित पक्ष को जवाब देने के लिए 15 दिन का समय दिए बिना संपत्तियों को ध्वस्त करने पर रोक लगाई गई थी।

महाराष्ट्र साइबर सेल के सामने पेश हुए समय रैना

मुंबई। यूट्यूबर और कॉमेडियन समय रैना सोमवार को महाराष्ट्र साइबर सेल के अधिकारियों के सामने पेश हुए। उन्हें शो 'इंडियाज गॉट लैटेंट' से जुड़े मामले के सिलसिले में अपना बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया गया था। कार्यालय से बाहर निकलते हुए स्टैंडअप कॉमेडियन की कुछ तस्वीरें भी सामने आई हैं।

महाराष्ट्र साइबर सेल लगातार समय रैना को समन भेज रहा था। पिछले दिनों भी इस स्टैंडअप कॉमेडियन को महाराष्ट्र साइबर सेल ने तीसरी बार समन भेजा था। अब जाकर समय रैना साइबर सेल के अधिकारियों के सामने पेश हुए। यहां पर उन्हें 'इंडियाज गॉट लैटेंट' में की गई अश्लील टिप्पणी और उससे जुड़े मामले में बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया गया था।

समय रैना को जिस मामले में बयान दर्ज कराने के लिए महाराष्ट्र साइबर सेल ने बुलाया है, उसकी शुरुआत कुछ महीने पहले हुई। समय रैना एक शो 'इंडियाज गॉट लैटेंट' चलाते हैं, इस शो पर अलग-अलग तरह का हुनर दिखाने के लिए प्रतियोगी आते हैं। ऐसे ही एक शो में बतौर जज यूट्यूबर रणवीर अल्लाहबादिया भी नजर आए। उन्होंने शो में माता-पिता को लेकर विवादित और अश्लील टिप्पणी की। इसके बाद सोशल मीडिया पर हंगामा मंच गया। साथ ही समय रैना और रणवीर अल्लाहबादिया के अलावा कुछ और लोगों पर पुलिस में शिकायत दर्ज हुई। कोर्ट तक ने इन्हें नसीहत दी, फटकार लगाई। समय रैना और रणवीर अल्लाहबादिया के अलावा अपूर्वा मुखीजा, यूट्यूबर आशीष चंचलानी और जसप्रीत सिंह भी इस विवाद का हिस्सा रहे हैं। इन पर भी अलग-अलग राज्यों में एफआईआर दर्ज हुई। इस पूरे विवाद का असर ये हुआ है कि समय रैना के कई शो कैंसिल हो चुके हैं। उन्हें अपने शो का रिफंड भी दर्शकों को वापस देना पड़ा है।

'परेल में यात्री टर्मिनल के लिए DPR मंजूरी पर में देरी क्यों?'

संसद की लोक लेखा समिति ने रेलवे से पूछा सवाल

मुंबई/नई दिल्ली। संसद की लोक लेखा समिति ने मुंबई के परेल में यात्री टर्मिनल बनाने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को मंजूरी देने में देरी के लिए रेल मंत्रालय से सवाल किया है। समिति ने यह भी कहा कि मंत्रालय मध्य रेलवे के परेल वर्कशॉप में कोच नवीनीकरण इकाई स्थापित करने में अपने मानदंडों का पालन करने में विफल रहा, जिस पर 22.07 करोड़ रुपये का अवांछित व्यय हुआ, जिसके बाद उसने यात्री टर्मिनल बनाने का फैसला किया।

लोक लेखा समिति ने रिपोर्ट में क्या कहा?

संसद में 21 मार्च को पेश की गई एक रिपोर्ट में लोक लेखा समिति ने कहा कि रेल मंत्रालय के मानदंडों (अगस्त 1980 और फरवरी 1985 में जारी) में कहा गया है कि निविदाएं आमंत्रित करने से पहले सभी क्षेत्रीय रेलवे को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे ठेकेदार को कार्य स्थल और आपूर्ति योजना सौंपने की स्थिति में हैं।

2007 में बनी योजना, अब तक अधूरी

2007-08 में मध्य रेलवे ने परेल वर्कशॉप में हर महीने 25 ब्रॉड गेज कोच मरम्मत करने की योजना बनाई। इसकी लागत 30.24 करोड़ रुपये तय हुई थी। 2010 में पहला ठेका 6.89 करोड़ रुपये में यूनिटी कंस्ट्रक्शन, मुंबई को दिया गया, लेकिन फंड की कमी और जमीन न मिलने के कारण 2014 में यह रद्द करना पड़ा। तब तक 4.58 करोड़ रुपये खर्च हो चुके थे। 2015 में बचा हुआ काम पूरा करने के लिए 5.94 करोड़ रुपये का नया ठेका पृथ्वी कंस्ट्रक्शन, मुंबई को दिया गया। लेकिन जमीन न मिलने के कारण यह काम भी पूरा नहीं हो सका और 2018 में इसे भी रद्द कर दिया गया।

अब यात्री टर्मिनल बनाने की योजना, लेकिन मंजूरी अटकी

रेलवे ने परेल वर्कशॉप को बंद कर वहां यात्री टर्मिनल बनाने का फैसला किया। इसके लिए 24 फरवरी 2020 को विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) भेजी गई, लेकिन अब तक मंजूरी नहीं मिली। समिति ने मंत्रालय से पूछा कि डीपीआर को मंजूरी देने में इतनी देरी क्यों हो रही है? साथ ही मंत्रालय से यह भी पूछा कि क्या नए यात्री टर्मिनल में ट्रेनों के संचालन की पूरी योजना बनी है?

रेलवे की सफाई, समिति ने मांगी पूरी जानकारी

वहीं इस पर रेल मंत्रालय ने कहा कि आगे से टेंडर जारी करने से पहले यह पक्का किया जाएगा कि काम के लिए जरूरी जगह उपलब्ध हो। समिति ने इस बात पर भी नाराजगी जताई कि जब पहली कंपनी समय पर काम पूरा नहीं कर पाई, तो दूसरी कंपनी को ठेका क्यों दिया गया? अब समिति ने रेलवे से परेल टर्मिनस के पहले चरण की योजना और डीपीआर मंजूरी में हो रही देरी की पूरी जानकारी देने को कहा है।

पश्चिम रेलवे

डिजाइन, निर्माण, आपूर्ति, फिक्सिंग और कमीशनिंग कार्य

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर (डब्ल्यू), पश्चिमी रेलवे कैरिज रिपेयर वर्कशॉप, एन.एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल, मुंबई 400 013, **ई-टेंडर सूचना संख्या: ईएल/डब्ल्यूए/पीएल/2024-25/48आर दिनांक: 21.03.2025 आमंत्रित करता है । कार्य का नाम:** विद्युत पैनल के अंदर गैर-एलएचबी एसी कोचों में टूल बॉक्स और केबल बॉक्स का डिजाइन, निर्माण, आपूर्ति, फिक्सिंग और कमीशनिंग, जो ड्राइंग संख्या आईसीएफ/एसके3-7-2-041 के अनुरूप हो और कार्य के दायरे और दरों की अनुसूची के अनुसार हो। **कार्य की अनुमानित लागत:** 15,80,256/-,**ईएमडी:** 31,600/- , **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि और समय:** 01.04.2025, 12:00 बजे तक। **निविदा खुलने की तिथि:** 01.04.2025 को 12:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ। 1222

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मध्य रेल

आर.ओ.बी का निर्माण

ई-निविदा (खुली निविदा) सूचना क्र. सी.ए.ओ.सी-04-2025 दिनांक: 21.03.2025

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) मध्य रेल, छठवां माला, नया प्रशासनिक भवन, डी.एन. रोड, सीएसएमटी मुंबई-400001, कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रतिष्ठित ठेकेदारों से ई-निविदा (दो पैकेट प्रणाली मे) के माध्यम से निम्नलिखित कार्य हेतु खुली निविदाएं आईआरईपीएस वेबसाईट **www.ireps.gov.in** (ई-टेन्डर पोर्टल) पर आमंत्रित करते हैं। **कार्य का नाम:** कल्याण स्टेशन पर लंबी दूरी और उपनगरीय ट्रेनों के पृथक्करण और माल यार्ड के एकीकरण के संबंध में कल्याण स्टेशन पर से प्रस्तावित डेक स्लैब को पत्री पुल से जोड़ने के लिए आर.ओ.बी का निर्माण (दो पैकेट प्रणाली में)। **निविदा की लागत:** रु. 117,30,42,541.46 **बयाना जमा राशि:** रु. 60,15,200.00 **निविदा फार्म की लागत:** लागू नहीं (जीसीसी अप्रैल 2022 पृष्ठ 4 पर खंड संख्या 3 के अनुसार) **ऑफर की वैधता:** निविदा खुलने की तिथि से 90 दिन। **पूर्णावधि:** मानसून अवधि सहित 18 (अठारह) महीने। **निविदा दस्तावेजों की उपलब्धता:** उपरोक्त कार्य के निविदा दस्तावेज **www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। **निविदा प्रस्तुत करने और खोलने की तिथि व समय:** संपूर्णतः विधिवत् भरी गयी ई-निविदाएं आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपरोक्त वेबसाइट पर **24.04.2025 को 11.00 बजे** तक इलेक्ट्रॉनिकली अपलोड की जानी चाहिए। ये निविदाएं (केवल तकनीकि बिड) इसी दिन **11.00 बजे** के बाद खोली जाएंगी। **संयुक्त जोखिम करार फर्म:** संयुक्त जोखिम करार फर्म को इस निविदा में भाग लेने की अनुमति है। **निविदाकारों के लिए महत्वपूर्ण सूचना:** 1. निविदा संबंधी सभी कार्य संपूर्णतः केवल ई-टेंडरिंग के माध्यम से ही किया जाएगा। निविदा प्रस्तुत करने वाले सभी निविदाकारों को पहले आईआरईपीएस की वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** पर रजिस्टर करना होगा। 2. भावी निविदाकारों को सूचित किया जाता है कि अपना ऑफर इलेक्ट्रॉनिकली सबमिट करने से पहले, वे निविदा से जुड़ी नियम व शर्तें, पात्रता मापदंड आदि विवरण ध्यानपूर्वक पढ़ लें। 3. निविदा दस्तावेज तथा समय-समय पर जारी होने वाले शुद्धि-पत्र उपरोक्त वेबसाइट पर उपलब्ध होंगे। यदि इस निविदा में कोई परिवर्तन किया जाता है, तो निविदा खुलने की तारीख से कम-से-कम 15 दिन पहले इस बारे में वेबसाइट पर जानकारी दी जाएगी।

किसी भी अतिरिक्त जानकारी के लिए / उपरोक्त पते पर अथवा उप मुख्य अभियंता (निर्माण) / जुईनगर पनवेल, **उप मुख्य अभियंता (निर्माण) / पनवेल का कार्यालय, मध्य रेलवे, चौथा माला, बालाजी आंगन के सामने, ओरीअन मॉल के बगल में, पनवेल-410206, मो.-8828119252** पर किसी भी कार्य दिवस को **10.00 बजे से 17.30 बजे** के बीच संपर्क किया जा सकता है। 864

असुरक्षित तथा अनाधिकृत रूप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग

सावित्रीबाई फुले माता बाल एमसीजीएम अस्पताल, मलाड ईस्ट रिद्धि गार्डन एमसीजीएम मैटरनिटी होम, पी/एन वार्ड

रुचि की अभिव्यक्ति का विज्ञापन

विषय: सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग पी/एन वार्ड सावित्रीबाई फुले माता बाल एमसीजीएम अस्पताल (रिद्धि गार्डन एमसीजीएम मैटरनिटी होम), मलाड ईस्ट के अंतर्गत एनजीओ के माध्यम से श्रेणी 'डी' में रिक्त पदों को भरने के संबंध में।

सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग, आर सेंट्रल वार्ड, सावित्रीबाई फुले माता बाल एमसीजीएम अस्पताल (रिद्धि गार्डन एमसीजीएम मैटरनिटी होम), मलाड ईस्ट एनजीओ के माध्यम से अनुबंध के आधार पर श्रेणी 'डी' में रिक्त पदों को भरने के लिए इच्छुक है (उनके सदस्यों को रोजगार मिलना चाहिए)। हम आवेदक से अनुरोध कर रहे हैं कि वह अपनी पात्रता तैयार करें और नौकरी के लिए आवेदन करें। आवेदन पत्र पी/उत्तर वार्ड, सावित्रीबाई फुले माता बाल एमसीजीएम अस्पताल (रिद्धि गार्डन एमसीजीएम मैटरनिटी होम), मलाड ईस्ट दिनांक 26.03.2025 से 28.03.2025 तक सुबह 10.30 बजे से दोपहर 01.30 बजे तक उपलब्ध हो सकता है।

इच्छुक संगठनों को अधिक जानकारी के लिए पी/उत्तर वार्ड, सावित्रीबाई फुले माता बाल एमसीजीएम अस्पताल (रिद्धि गार्डन एमसीजीएम मैटरनिटी होम), मलाड ईस्ट से संपर्क करना चाहिए। आवेदन की अंतिम तिथि दिनांक 28.03.2025 (दोपहर 01.30 बजे तक) है। बताए गए कार्यालय अवधि के बाद दाखिल किए गए आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। कृपया ध्यान दें।

हस्ता/-

चिकित्सा अधिकारी

सावित्रीबाई फुले माता बाल एमसीजीएम अस्पताल, मालाड पूर्व (रिद्धि गार्डन एमसीजीएम मैटरनिटी होम), पी/एन वार्ड

पीआरओ/2914/विज्ञा./2024-25

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

संपादकीय

आधी-अधूरी खुशी

हाल में जारी 'हैप्पीनैस इंडेक्स' में भारत की स्थिति में कुछ सुधार की बात तो जरूर सामने आयी है,लेकिन हमारी खुशी के सूचकांक को यूक्रेन, फिलीस्तीन, नेपाल व पाक से पीछे बताना गले नहीं उतरता। खुशी के मानक निर्धारण के जो पैमाने पश्चिमी देशों द्वारा इस्तेमाल किये जाते हैं, उनकी विश्वसनीयता व तार्किकता को लेकर हमेशा सवाल उठते रहे हैं। निस्संदेह, हमारा देश दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। हमारी प्रगति की राह पर सदियों की गुलामी के दंश अभी पूरी तरह मिटे नहीं हैं। निस्संदेह, देश में गरीबी है, बेरोजगारी बढ़ी है, महंगाई है, सामाजिक सुरक्षा में पर्याप्त प्रगति नहीं हुई है। लेकिन तबाह हो चुका फिलीस्तीन, युद्ध में बर्बाद यूक्रेन व दुनिया में मदद मांगता फिरता पाकिस्तान खुशी के मामले में हम से आगे नहीं हो सकते। भले ही देश में आर्थिक विषमता हो, पूंजी का केंद्रीयकरण चंद हाथों में हो, लेकिन इसके बावजूद हम दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। हम दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ती आर्थिकी हैं। लेकिन इसके बावजूद दर्शाए खुशी के सूचकांक सरकारों को आईना दिखाते हैं कि हर नागरिक की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति हो, उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध हो, सामाजिक सुरक्षा मिले, काम के अवसर मिलें। मंथन हो कि हमारी रीति-नीतियों में कहां खोट रह गयी कि हम कथित खुशी के सूचकांक में गरीब मुल्कों के पीछे दर्शाए जा रहे हैं। हर राष्ट्रवादी व्यक्ति को ये बात चुभती है कि उसका देश खुशी के मानकों में पिछड़े देशों से भी क्यों पिछड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि फिनलैंड को दुनिया का सबसे खुश देश बताया जा रहा है। इसी कड़ी में डेनमार्क व स्वीडन भी हैं। ये विकसित देश भारत के एक शहर जितनी आबादी वाले देश हैं। इनके यहां साक्षरता दर ऊंची है व समृद्ध संसाधन उपलब्ध हैं। कहते भी हैं छोटा परिवार सुखी परिवार होता है। हमारे देश में प्रांतीय, जातीय व धार्मिक अस्मिता के नाम पर जनसंख्या बढ़ाने की दलीलें दी जा रही हैं। दुहाई दी जाती है कि हमारा धर्म इजाजत नहीं देता कि परिवार नियोजन अपनाया जाए। संसाधन सीमित हैं और खाने वाले मुंह लगातार बढ़ते जा रहे हैं। फिर भी शासन-प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार एक हकीकत है, जिसको लेकर तमाम राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय आंकड़े समय-समय पर आते रहते हैं। भ्रष्टाचार का मतलब है कि किसी के वाजिब हक का मारा जाना। शिक्षा,स्वास्थ्य व सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में हम यदि पिछड़े हैं तो कहीं न कहीं ये हमारे नीति-नियंताओं की विफलता भी है। यह हमारे लोकतंत्र की भी विडंबना है कि मतदान का अधिकार रखने वाले चुनाव के दौरान योग्य प्रतिनिधियों के चयन से चूकते हैं। यही वजह कि जनप्रतिनिधि संस्थाओं में दागदार नुमाइंदों की उपस्थिति बढ़ती जा रही है। जब ऐसे तत्व हमारे भाग्य-विधाता बनेंगे तो खुशी कहां से आएगी? स्पष्ट है कि यदि हम खुशी के मानकों में खरे नहीं उतरे हैं तो नीतियां बनाने वालों को आत्ममंथन करना होगा। जागरूक नागरिक व जिम्मेदार राजनीतिक नेतृत्व तसवीर बदल सकता है।

गंभीर पहल से ही सुलझेगा मणिपुर संकट

बी.एल. वोहरा

आखिरकार, भाजपा और उसके ज़रिए, भारत सरकार ने पिछले कुछ समय से मणिपुर में फैली अव्यवस्था को सुलझाने की दिशा में कुछ निर्णायक कदम उठाए हैं। सरकार ने पहले एक अनुभवी नौकरशाह को राज्य का राज्यपाल नियुक्त किया, फिर भाजपा शासित मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह को पद छोड़ने को कहा और चार दिन बाद 13 फ़रवरी को राज्य में राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया। ये सभी कदम एक साथ और जल्दी-जल्दी उठाए गए। लेकिन काफी वक्त से यह लंबित था। स्वयं भाजपा और राज्य में भाजपा सरकार उम्मीद के विपरीत आस लगाए हुए थी कि 3 मई, 2023 को राज्य में हिंसा शुरू होने के बाद से सरकार ने जो कमज़ोर कदम उठाए हैं, उनसे मामले सुलझ जाएंगे। बीच-बीच में कुछ समय के लिए शांति काल के अलावा लंबे समय तक टकराव अनवरत जारी रहा। इसके चलते मैतेई और कुकी जातियों के बीच संबंध बहुत तनावपूर्ण हो गए।

समस्या कई अन्य कारणों से भी बढ़ गई, जिसके विभिन्न पहलुओं पर गंभीर प्रभाव पड़े। दो कारण भाजपा को ठोस कदम उठाने से रोक रहे थे : एक तो यह कि हम एक लोकतंत्र हैं, दूसरा यह कि राज्य में भी सत्ता उसी दल के पास थी, जिसकी केंद्र में सरकार है। ऐसे राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाना पार्टी के लिए शर्मिंदगी की वजह बनता क्योंकि इसका मतलब होगा कि खुद अपनी ही पार्टी की सरकार के कामकाज पर सवाल उठना। इसके अलावा, पार्टी को ऐसा उत्तराधिकारी मुख्यमंत्री नहीं मिल पाया जो सभी को स्वीकार्य हो। हालांकि, सत्तारूढ़ पार्टी ने अब कड़ुवा घूंट पीना तय कर लिया है। देर आयद दुरुस्त आयद! भविष्य की ओर देखते हुए, बहुत काम किए जाने की जरूरत है। सबसे पहले, समस्या की उत्पत्ति को देखें ताकि इससे निपटने में मदद मिल सके। म्यांमार में सैन्य शासन यानी जुंटा का अपने देश के संपूर्ण भूभाग पर, खासकर मणिपुर सीमा से लगते इलाके पर पूरी तरह नियंत्रण नहीं है। इन क्षेत्रों में कई समूह अपनी सरकार से युद्धरत हैं और यहां तक कि कुछ इलाका उनके अधीन भी है। इसके अलावा, हिंसा के कारण, गोल्डन ट्राइंगल नाम से कुख्यात अंतर्राष्ट्रीय ड्रग व्यापार रूट पर, मुख्य रूप से मोरेह शहर और मणिपुर के क्षेत्र से होकर गुजरने वाला, असर हो रहा था क्योंकि म्यांमार में अफीम की खेती के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में कमी आई थी या विस्तार नहीं हो पाया था। कई कुकी और संबंधित जनजातियां अपने स्थानीय रिश्तेदारों की मदद से मणिपुर में, मुख्य रूप से कुकी बहुल चूड़ाचांदपुर क्षेत्र में आन बसे और उन्होंने मणिपुर में भी अफीम उगाना शुरू कर दिया। स्थानीय लोग भी इस मुनाफेदार खेती में उनके साथ लग गए।

जब यह बात राज्य सरकार के संज्ञान में आई, तो अवैध अप्रवासियों की पहचान करने के लिए कार्रवाई की गई। स्थानीय लोग,जिसकी पीठ पर बहुत अमीर एवं ताकतवर अंतर्राष्ट्रीय ड्रग माफिया का हाथ था,इस कार्रवाई का विरोध करने लगे। वे सरकार को पीछे हटने को मजबूर करना चाहते थे। उनके सौभाग्य से -और राज्य के दुर्भाग्य से- मैतेइयों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिए जाने वाली याचिका पर, मणिपुर उच्च न्यायालय द्वारा आए आदेश की गलत व्याख्या ने परेशानी पैदा करने का एक कारण प्रदान किया।

27 मार्च, 2023 को जारी इस आदेश में कहा गया था :'राज्य में मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने के लिए याचिकाकर्ताओं के मामले पर शीघ्रता से विचार किया जाना चाहिए'। इसमें केवल याचिका पर विचार करने के लिए आदेश था, न कि मैतेइयों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने के लिए। लेकिन कुकियों ने जानबूझकर इसे गलत ढंग से प्रस्तुत किया, यह कहते हुए कि मैतेइयों को एसटी का दर्जा दे दिया गया है। हालांकि बाद में उच्च न्यायालय ने इस पैराग्राफ को हटा दिया, लेकिन तब तक नुकसान हो चुका था।

दोनों पक्षों ने रैलियां निकालनी शुरू कर दीं, कुछ हिंसा भी भड़की और दोनों समुदायों द्वारा नाकेबंदी और जवाबी नाकेबंदी होने लगी। मैतेई बहुल घाटी में और कुकी एवं अन्य संबंधित जनजाति बहुल पहाड़ी इलाके में। स्थिति बदतर होती चली गई। हालात इतने खराब हो गए कि घाटी के लोग चुड़ाचांदपुर नहीं जा सकते थे और इसके विपरीत चूड़ाचांदपुर वाले घाटी में नहीं आ सकते। कुकियों ने एक अलग प्रशासन की मांग की। वे नहीं चाहते थे कि मैतेई लोगों को एसटी का दर्जा मिले क्योंकि उन्हें लगा कि इससे न केवल उनकी नौकरी का कोटा प्रभावित होगा बल्कि मैतेई लोग वैध तरीके से पहाड़ियों में जमीन भी खरीद सकेंगे। इसलिए, दोनों समुदायों के बीच एक तरह से पूर्ण पैमाने पर जातीय संघर्ष छिड़ गया, जिसमें हिंसा के कारण जान-माल का नुकसान हुआ और दोनों पक्षों के लोगों को विस्थापित होना पड़ा।

आरोप है कि ड्रग माफिया ने अपनी मोटी जेबों के दम पर इस स्थिति को और बिगाड़ने में अहम भूमिका निभाई है। जल्द ही, सरकार और उसकी मशीनरी तक भी हिंसा का असर हो गया। दुर्भाग्यवश, दोनों समुदायों के बीच इस तरह का दोफाड़ कुछ हद तक पुलिस सहित सरकारी अमले में भी फैल गया। इसने स्थिति को और खराब कर दिया। अपराधी और निष्क्रिय पड़े विद्रोही समूह भी इस लड़ाई में कूद पड़े और इसका नतीजा यह हुआ कि सरकारी मशीनरी पूरी तरह चरमरा गई। पुलिस स्टेशनों और शस्त्रागारों पर भी हमला किया गया और 5,000 से अधिक हथियार लूट लिए गए। यह भी आरोप है कि पुलिस ने डरकर या मिलीभगत के कारण कई हथियार सौंपे। अवांछनीय तत्वों और हिंसक समूहों के हाथों में इतनी बड़ी संख्या में हथियार राज्य के लिए एक बड़ा खतरा हैं। इनमें से बमुश्किल एक-चौथाई हथियार ही बरामद हो पाए हैं। हालात और बदतर बने जब कुकी समूह हिंसा फैलाने के लिए ड्रोन तक का इस्तेमाल करने लगे। जाहिर है, उन्हें बहुत मदद हासिल है। चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे देशों के इस क्षेत्र में अपने निहित स्वार्थ हैं और उन्होंने दूसरों की लड़ाई में अपने लिए मौका पाया है। म्यांमार की स्थिति भी एक बड़ा कारक है। सरकार ने प्रतिक्रिया में और अधिक सैन्य बल भेजे हैं, लेकिन स्थिति पूरी तरह से उसके नियंत्रण में नहीं है। इसलिए, अब राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद संबंधित अधिकारियों के लिए काम करना आसान हो जाएगा। उनकी प्राथमिकता हिंसा को रोकना और लुटे हथियारों को वापस लेना होना चाहिए। एक साथ बहुत सारे काम करने की जरूरत है। आइए उम्मीद करें कि जल्द ही शांति स्थापित हो जाएगी। पूर्वोत्तर का यह खूबसूरत राज्य न केवल अपने लिए बल्कि पूरे भारत के लिए शांति और खुशहाली का हकदार है।

जीवन मंत्र

समर्पण और जिम्मेदारी

किसी भी लक्ष्य को एक निर्धारित समय-सीमा में बांधने से जीवन-शक्ति को एक दिशा मिल जाती है, परंतु इसके लिए कुछ कल्पना भी आवश्यक है। प्रायः व्यक्ति काल्पनिक नहीं होता, फंस जाता है और अंततः हताश हो जाता है।

श्री कृष्ण अर्जुन से कहते हैं, 'तुम मुझे बहुत प्रिय हो।' फिर कहते हैं कि तुम्हें समर्पण करना होगा। समर्पण की शुरुआत एक धारणा से होती है। पहले तुम्हें मानना होगा कि तुम ईश्वर के प्रिय हो, तब समर्पण स्वतः होता है। किसी भी लक्ष्य को एक निर्धारित समय-सीमा में बांधने से जीवन-शक्ति को एक दिशा मिल जाती है, परंतु इसके लिए कुछ कल्पना भी आवश्यक है। प्रायः व्यक्ति काल्पनिक नहीं होता, फंस जाता है और अंततः हताश हो जाता है। परंतु यदि आप भक्त हैं, तो आप कहते हैं कि 'जो प्रभु की इच्छा', तब आप सहजता से लक्ष्य की ओर बढ़ते हैं और निश्चिंतता से उसे पूरा करते हैं।

यहां पर हमें एक अंतर को समझना है। कुछ लोग कहते हैं, 'सब ईश्वर करेंगे, तुम बस समर्पण कर दो।' और कुछ कहते हैं, 'मुझे पूरी तरह जिम्मेदार होना है।' समर्पण है, 'जो प्रभु की इच्छा हो, वही हो' और 'जो प्रभु की इच्छा' का अर्थ है समस्त संसार का दायित्व लेना। स्वभाव से ये एक-दूसरे के विपरीत प्रतीत हो रहे हों, परंतु वास्तव में

ये एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। तुम जितना अधिक समर्पित होते हो, उतने ही अधिक जिम्मेदार होते हो। जो गैर-जिम्मेदार है, वह समर्पण नहीं कर सकता। कोई गैर-जिम्मेदार क्यों है? वह या तो आलसी है या भयभीत, या दोनों ही। यदि तुम आलसी और भयभीत हो, तो तुम प्रेम में नहीं रह सकते। पूर्ण जिम्मेदारी ही पूर्ण समर्पण है। इसे स्वीकार करना थोड़ा कठिन है, परंतु यही वास्तविकता है। प्रायः लोग कहते हैं, 'मैं जिम्मेदारी लेता हूं' या 'मैं समर्पित हूं', पर मैं कहता हूं कि ये दोनों साथ-साथ चलते हैं। यदि तुम ज्ञान के प्रति समर्पित हो, तो तुम ज्ञान को फैलाने के लिए प्रतिबद्ध होते हो। तुम जिम्मेदारी लेते हो कि ज्ञान की वृद्धि हो। जिम्मेदारी लेकर यदि उलझन महसूस करो, बाधाएं आएं, तो समर्पण को याद रखो। यह तुम्हें सहजता से आगे बढ़ने की शक्ति देता है, कर्तापन के भार से मुक्त करता है। जिम्मेदारी है वर्तमाण क्षण में जीवन की उत्साहपूर्ण अभिव्यक्ति!.. जो व्यक्ति समर्पित नहीं हो सकता, वह आत्मनिर्भर भी नहीं बन सकता। जैसे पचास रुपये के भीतर दस रुपये निहित है, वैसे ही आत्मनिर्भरता में समर्पण निहित है। यदि तुम्हारे पास सौ रुपये नहीं हैं, तो फिर हजार भी नहीं होंगे।

शख्सियत — नंदा

भारतीय फिल्म अभिनेत्री

नंदिनी कर्नाटकी (8 जनवरी 1939 -25 मार्च 2014), जिन्हें नंदा के नाम से जाना जाता है, एक भारतीय अभिनेत्री थीं जो हिंदी और मराठी फिल्मों में दिखाई दीं। भारतीय सिनेमा की बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक मानी जाने वाली उनका करियर 30 साल से अधिक का है। वह छोटी बहन, धूल का फूल, भाभी, काला बाजार, कानून, हम दोनों, जब जब फूल खिले, गुमनाम, इत्तेफाक, द ट्रेन और प्रेम रोग में अपने अभिनय के लिए जानी जाती हैं।

नंदा का जन्म एक महाराष्ट्रीयन शो-बिजनेस परिवार में विनायक दामोदर कर्नाटकी (मास्टर विनायक) के घर हुआ था, जो एक सफल मराठी अभिनेता-निर्माता-निर्देशक थे। मास्टर विनायक भारतीय फिल्म उद्योग की कई हस्तियों से जुड़े थे। उनके भाई वासुदेव कर्नाटकी एक छायाकार थे जबकि प्रसिद्ध फिल्म हस्तियां बाबूराव पेंढारकर (1896-1967) और भालजी पेंढारकर (1897-1994) उनके सौतेले भाई थे। वह महान फिल्म निर्देशक वी. शांताराम के मामा भी थे । मास्टर विनायक मंगेशकर परिवार के अच्छे दोस्त थे और उन्होंने लता मंगेशकर को अपनी फिल्म पाहिली मंगलागौर से फिल्म उद्योग में पेश किया था ।

फिल्मों में शामिल होने के कारण उनकी पढ़ाई प्रभावित हुई और उन्हें घर पर ही प्रसिद्ध स्कूल शिक्षक और बॉम्बे स्काउट्स कमिश्नर गोकुलदास वी. माखी ने कोचिंग दी। उनके एक भाई मराठी फिल्म निर्देशक जयप्रकाश कर्नाटकी हैं, जिनकी शादी अभिनेत्री जयश्री टी. से हुई है

नंदा ने 1948 में मंदिर से अपनी शुरुआत की । सिल्वर स्क्रीन पर उन्हें पहली बार रबेबी नंदा के रूप में पहचाना गया। मंदिर , जग्गू और अंगारे जैसी फिल्मों में , वह 1948 से 1956 तक एक बाल कलाकार थीं। नंदा के पैतृक चाचा, प्रसिद्ध फिल्म निर्माता-निर्देशक वी. शांताराम ने नंदा को एक सफल भाई-बहन की गाथा में कास्ट करके एक बड़ा ब्रेक दिया; तूफ़ान और दीया (1956)। यह एक अनाथ भाई और बहन की गाथा थी, जो कई दुखद असफलताओं से त्रस्त हो जाते हैं, जिसमें लड़की की दृष्टि खोना भी शामिल है। उन्हें भाभी (1957) के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार के लिए अपना पहला नामांकन मिला , उन्होंने दावा किया कि उनके न जीतने का कारण लॉबिंग शामिल थी।उन्होंने काला बाजार (1960) अपने करियर की शुरुआत में उन्होंने कई मराठी फिल्मों में काम किया। इनमें शांताराम आठवले द्वारा निर्देशित कुलदैवत, शेवग्याच्या शेंगा , राजा परांजपे द्वारा निर्देशित देवघर , यशवंत पाटेकर द्वारा निर्देशित ज़लेगेले विसरुन जा और हंसा वाडकर के साथ आई विना बाल शामिल हैं । 25 मार्च 2014 को दिल का दौरा पड़ने से 75 वर्ष की आयु में मुंबई में उनके वर्सोवा निवास पर उनका निधन हो गया।

जीवन ऊर्जा — गणेश शंकर विद्यार्थी: निधन 25 मार्च 1931 — देहावसान

समस्त मानव जाति का कल्याण हमारा परमोद्देश्य है

गणेश शंकर विद्यार्थी का जन्म 26 अक्टूबर 1890 को इलाहाबाद के अतरसुइया मुहल्ले में एक कायस्थ परिवार में हुआ था। इनके पिता का नाम जयनारायण था जो हथगांव , के निवासी थे। गणेश शंकर विद्यार्थी एक भारतीय पत्रकार, भारतीय राष्ट्रीय सम्मेलन के नेता और स्वतंत्रता आंदोलन के कार्यकर्ता थे। कानपुर के सांप्रदायिक दंगे में 25 मार्च 1931 ई को इनकी हत्या कर दी गई।

इस समय, देश में धर्म की धूम है। उत्पात किये जाते हैं, तो धर्म और ईमान के नाम पर और ज़िद की जाती है, तो धर्म और ईमान के नाम पर। रमुआ पासी और बुद्ध मियाँ धर्म और ईमान को जानें, या न जानें, परंतु उसके नाम पर उबल पड़ते हैं और जान लेने और जान देने के लिए तैयार हो जाते हैं। देश के सभी शहरों का यही हाल है। उबल पड़ने वाले साधारण आदमी का इसमें केवल इतना ही दोष है कि वह कुछ भी नहीं समझता-बूझता और दूसरे लोग उसे जिधर जोत देते हैं, उधर जुत जाता है। यथार्थ दोष है, कुछ चलते-पुरज़े, पढ़े-लिखे लोगों का – जो मूर्ख लोगों की शक्तियों और उत्साह का दुरुपयोग इसलिए कर रहे हैं कि इस प्रकार,

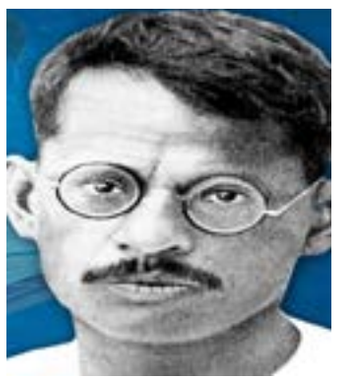

जाहिलों के बल के आधार पर उनका नेतृत्व और बड़प्पन क़ायम रहे। इसके लिए धर्म और ईमान की बुराइयों से काम लेना उन्हें सबसे सुगम मालूम पड़ता है। सुगम है भी।

साधारण-से-साधारण आदमी तक के दिल में यह बात अच्छी तरह बैठी हुई कि धर्म और ईमान की रक्षा के लिए प्राण तक दे देना वाजिब है। बेचारा साधारण आदमी धर्म के तत्वों को क्या जाने? लकीर पीटते रहना ही वह अपना धर्म समझता है।

उसकी इस अवस्था से चालाक लोग इस समय बहुत बेजा फ़ायदा उठा रहे हैं।पाश्चात्य देशों में, धनी लोग ग़रीब मज़दूरों के परिश्रम का बेजा लाभ उठाते हैं। उसी परिश्रम की बदौलत ग़रीब मज़दूर की झोंपड़ी का मज़ाक़ उड़ाती हुई उनकी अट्टालिकाएँ आकाश से बातें करती है! ग़रीबों की कमाई ही से वे मोटे पड़ते हैं और उसी के बल से वे सदा इस बात का प्रयत्न करते हैं कि ग़रीब सदा चूसे जाते रहें। यह भयंकर अवस्था है!

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

आत्मा के शुद्धीकरण का जिम्मा हम स्वयं लें

जलता हुआ दीपक शुभ का प्रतीक है वहीं जब कभी जलता हुआ कोई दीपक बुझ जाता है तो उसे अशुभ का संकेत माना जाता है और मन भयग्रस्त हो जाता वास्तव में जब हम मन से निर्बल होते हैं तो ऐसे नकारात्मक भाव हमें आकर घेर लेते हैंमन ऐसी विपरीत शंकाओं से घिरकर व्याकुल हो उठता

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक। मो. नं. 9425980556

है हम पर नकारात्मकता हावी होने लगती है उस समय व्यक्ति किंकर्तव्यविमूढ़ हो जाता है ऐसी परिस्थिति से उबरने के लिए हमें अपने घर का दीपक बनना होगा यानी देना होगा। क्या देना होगा प्रेम देना होगा क्षमा देनी होगीसहायता देनी होगी जब हम इन मूल्यवान गुणों को स्वयं में आत्मसात करते हैं तो हमारा निजत्व और भी बलशाली हो जाता है और भविष्य में शुभअशुभ के संकेतों से ऊपर उठ जाता हैफिर तो नई ऊर्जा के साथ हमार शरीर गतिमान हो जाता है जब हम सकारात्मकता को हृदय में स्थान देते हैं क्षमाभावदयाभाव रखते हैं तो सतयुग की राह पर अग्रसर होते हैं कलियुग के बाद पुनः सतयुग ही आएगा और वह तभी संभव होगा जब आत्मा के शुद्धीकरण का जिम्मा हम स्वयं अपने ऊपर ले लें इसके लिए साधना में रत रहना होगा जब आप सामने वाले पर नाराज होते हैं तो स्वयं को भी उसी कष्ट से पीडित करते हैं क्योंकि गुस्सा करने वाला ज्यादा प्रभावित होता है जिस पर आप गुस्सा कर रहे हैं यह उस पर निर्भर करता है कि वह उसे ग्रहण करे या न करे ऐसी स्थिति में आप अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार लेते हैंअतः आप नित्य ही मन में सकारात्मक विचारों का उच्चारण करें कि आज मैं फलांफलां कार्य करके सबको खुश करूंगा जो दूसरों की खुशी की परवाह करता वह ईश्वर की सबसे अनमोल कृति का दर्जा प्राप्त करता है वह स्वयं के लिए अपने आप ही सागर से मोती चुन लेने के बराबर कार्य में सिद्धि हासिल कर लेता है यह अनमोल उपहार उसे अनायास ही प्राप्त हो जाता है।

उद्योगी पुरुष को ही लक्ष्मी प्राप्त होती है

उद्योगिनम् पुरुष सिंह मुपैति लक्ष्मी:

मनुष्य भोग के स्वाद को जानता है इसलिए भोगों में रमा रहता हैजिस दिन उसका यह मन योग के अलौकिक आनंद को समझ पायेगा उस दिन भोगों के तुच्छ सुख को छोड़कर योग के परम आनंद की साधना में अवश्य लग जायेगा। मन को जहाँ जहाँ सुख मिलेगा वह उस तरफ सहज ही आकर्षित हो जाता है मन को योगी बनाये बिना जीवन को निरोगी भी नहीं बनाया जा सकता है। मन आलस्य और प्रमाद में सुख मानता है इसलिए आलसी बना रहता है जिस दिन यह परिश्रम के सुख का स्वाद चख लेगा उस दिन इसके द्वारा स्वतः ही आपको परिश्रम के लिए प्रेरित किया जायेगा। आलस्य आज सुख दे सकता है, लेकिन भविष्य को दुःखमय बना देगा और परिश्रम वर्तमान में कष्ट दे सकता है, लेकिन भविष्य को आनंदमय बना देगा प्रयास करो कि आपका मन भोग में नहीं योग में लगे आलस्य में नहीं परिश्रम में लगे और नश्वर को ही नहीं शाश्वत सुख को भी प्राप्त करे।

अपने विचार

हर कलाकार को अपनी बात रखने की आजादी है। लेकिन मैं उन्हें बता देना चाहता हूं कि यह 2014 के पहले का दौर नहीं है। यहां अभिव्यक्ति की आजादी अब नहीं रही। इसलिए सभी कलाकारों को सावधान रहना चाहिए।

-रोहित पवार, नेता,एनसीपी(शरद पवार)

आपको भारत से भागने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।' 'कुणाल कामरा एक किराए के कॉमेडियन हैं, और वह कुछ पैसों के लिए हमारे नेता पर टिप्पणी कर रहा हैं। महाराष्ट्र की बात तो दूर, कुणाल कामरा पूरे भारत में कहीं भी स्वतंत्र रूप से नहीं जा सकते।'

-नरेश म्हस्के, शिवसेना सांसद

'कुणाल कामरा ने सस्ती लोकप्रियता के लिए बार-बार देश के बड़े राजनेताओं और पत्रकारों के लिए अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया है। अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर क्या वह किसी को भी कुछ भी कह सकते हैं? वह पूर्व CM हैं।'

-राम कदम, विधायक,भाजपा

स्टैंड-अप कॉमेडियन' कुणाल कामरा महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ अपना बयान वापस लें और माफी मांगें, या फिर पार्टी कार्यकर्ताओं के गुस्से का सामना करें। शिवसैनिक उत्तेजित हैं और शिंदे का अपमान करने के लिए कामरा से बदला लेने की तलाश में हैं। **-संजय निरुपम,** नेता ,शिवसेना(शिंदे)

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय

ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : **indiagroundreport@gmail.com** **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़िम्मेदार)।

विराट दीप महायज्ञ व कलश पूजन संपन्न

ठाणे। ठाणे में अश्वमेध वार्षिकोत्सव, ज्योतिकलश पूजन और विराट दीप महायज्ञ का भव्य आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु और साधक एकत्रित हुए। अखिल विश्व गायत्री परिवार के युवा प्रतिनिधि और देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय पंड्या की उपस्थिति ने इस आध्यात्मिक आयोजन को और अधिक ऊर्जावान बना दिया। डॉ. पंड्या ने 2026 में अखंड दीपक के 100 वर्ष पूरे होने और परम वंदनीय माता की जन्मशताब्दी के महत्व को रेखांकित करते हुए सेवा, साधना और आत्मोत्थान का संदेश दिया। इस अवसर पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, पूर्व मंत्री सुधीर मुनगंटीवार और विधायक मिहिर कोटेचा ने भी दीपयज्ञ में भाग लिया और सनातन धर्म की रक्षा एवं समाज में सत्य व निष्ठा की स्थापना पर जोर दिया।

संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान में 36 वन्य प्राणी गोद लिए गए

मुंबई। बोरिवली स्थित संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान के 36 वन्य प्राणियों को गोद लिया गया है। इन 36 वन्य प्राणियों को 17 व्यक्तियों और 8 संस्थाओं ने गोद लिया है। विधान परिषद में पूछे गए एक सवाल के लिखित जवाब में राज्य के वन मंत्री गणेश नाईक ने यह जानकारी दी। नाईक ने बताया कि संजय गांधी उद्यान में 4 शेर, 8 बाघ, 12 तेंदुए, 2 जंगली चित्तीदार बिल्ली, 1 नीलगाय समेत कुल 36 वन्य प्राणी हैं। राज्य सरकार ने साल 2023 की वन्य प्राणियों को गोद लेने संबंधी योजना घोषित की है। इसके अनुसार संजय गांधी उद्यान में शेर को गोद लेने के लिए प्रति वर्ष 3 लाख रुपए, बाघ के लिए 3 लाख 10 हजार, तेंदुएं के लिए 1 लाख 20 हजार, जंगली चित्तीदार बिल्ली के लिए 50 हजार और नीलगाय के लिए 30 हजार रुपए, हिरण के लिए 20 हजार रुपए शुल्क वसूला जाता है। सदन के भाजपा सदस्य प्रसाद लाड, भाजपा सदस्य प्रवीण दरेकर ने इस बारे में सवाल पूछा था।

सिद्धेश्वर झील के पास पार्क की जमीन को आवासीय क्षेत्र में बदलने पर हाईकोर्ट में याचिका

मुंबई/ठाणे। ठाणे नगर निगम द्वारा मसौदा विकास योजना में प्राचीन सिद्धेश्वर झील के पास पार्क के लिए आरक्षित भूमि को आवासीय क्षेत्र में बदलने को लेकर उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर की गई है। इसके अलावा, नगर आयुक्त को प्रशासक नियुक्त करने को असंवैधानिक घोषित करने और इसे रद्द करने की भी मांग की गई है। याचिकाकर्ता रवींद्र पाटिल ने वकील प्रवीण वाटेगांवकर के माध्यम से यह याचिका दायर की, जिसकी सुनवाई सोमवार को मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे और न्यायमूर्ति मकरंद कार्णिक की पीठ के समक्ष हुई। अदालत ने प्रतिवादियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।याचिका में आरोप लगाया गया है कि ठाणे नगर आयुक्त ने महाराष्ट्र क्षेत्रीय नगर नियोजन (एमआरटीपी) अधिनियम की धारा 148-ए का दुरुपयोग कर इस आरक्षण को बदला है।

छत्रपति संभाजीनगर मंडल में 28 मार्च को लगेगा म्हाडा का पहला जनता दरबार

दीपक पवार । मुंबई

महाराष्ट्र सरकार के 100 दिवसीय कार्ययोजना के तहत म्हाडा का पहला जनता दरबार शुक्रवार, 28 मार्च को छत्रपति संभाजीनगर गृहनिर्माण व क्षेत्र विकास बोर्ड स्तर पर आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एवं आवास मंत्री एकनाथ शिंदे के निर्देशों के अनुसार, म्हाडा की 100 दिवसीय सात सूत्री कार्ययोजना में ₹नागरिक शिकायतों का निवारण₹ एक प्रमुख घटक है। इसी के तहत सभी म्हाडा प्रभागीय बोर्डों को जनता दरबार दिवस आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं।

जनता दरबार में शिकायतों का होगा समाधान

म्हाडा के उपाध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजीव जायसवाल के मार्गदर्शन में यह पहल शुरू की गई है। हाल ही में नासिक मंडल में पहला जनता दरबार आयोजित किया गया था, और अब छत्रपति संभाजीनगर मंडल दूसरा मंडल है, जहां यह आयोजन किया जा रहा है। जनता दरबार महावीर स्तंभ रोड, छत्रपति संभाजीनगर स्थित म्हाडा कार्यालय में होगा। इस कार्यक्रम में भूमि मालिकों, भूखंड धारकों और अपार्टमेंट निवासियों की समस्याओं को सुना जाएगा और उनके समाधान के लिए कार्रवाई की जाएगी।

शिकायत दर्ज कराने की अंतिम तिथि 27 मार्च

बोर्ड ने मराठवाड़ा के सभी जिलों के नागरिकों से अपील की है कि वे भूमि, भूखंड और अपार्टमेंट से जुड़ी समस्याओं पर अपने सुझाव और शिकायतें 27 मार्च तक लिखित रूप में प्रस्तुत करें।

साई अंजुमन सोसायटी ने किया इफ्तार पार्टी का आयोजन

ठाणे। ठाणे के वागले एस्टेट क्षेत्र में साई अंजुमन सोसाइटी द्वारा वार्ड 19 के जिलानी वाड़ी, रघुनाथ नगर में भव्य इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इस मौके पर पूर्व नगरसेवक विकास रेपाले, पूर्व नगरसेविका नम्रता भोसले, हाजी इलियास, हाजी लाल मोहम्मद खत्री सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में हाजी अब्दुल रजाक शेख, रूकू भाई, इजहार भाई, सिराज सिद्दीकी और मुदासिर का विशेष योगदान रहा।

तालाबों के संरक्षण के लिए ठाणे में व्याख्यान आयोजित

धर्मेंद्र उपाध्याय । ठाणे

ठाणे मनपा क्षेत्र में स्थित तालाबों के संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर सोमवार को एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। 'मुक्कम पोस्ट लेक' पुस्तक की लेखिका नूतन बांदेकर ने इस अवसर पर कहा कि तालाब हमारे गौरव का विषय हैं और इनका संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। यह व्याख्यान विश्व वन दिवस (21 मार्च), विश्व जल दिवस (22 मार्च) और विश्व जलवायु दिवस (23 मार्च) के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का आयोजन नरेन्द्र बल्लाल सभागार में किया गया, जहां तालाबों के प्रकार, उनके पर्यावरणीय महत्व और जैव श्रृंखला में उनकी भूमिका पर चर्चा की गई।

42 वर्तमान तालाबों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर भी दी जानकारी

बांदेकर ने ठाणे और उसके आसपास के 42 वर्तमान तालाबों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर भी प्रकाश डाला। व्याख्यान के दौरान, उन्होंने स्वस्थ एवं रोगग्रस्त तालाबों के लक्षणों और उनके संरक्षण के उपायों पर जानकारी दी। कार्यक्रम से पहले उन्हें उपायुक्त (सूचना एवं जनसंपर्क) उमेश बिरारी और मुख्य पर्यावरण अधिकारी मनीषा प्रधान द्वारा शॉल, स्मृति चिन्ह और पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। इस व्याख्यान का संचालन राजेंद्र पाटणकर ने किया।

'माझी वसुंधरा' अभियान के तहत ई-प्रतिज्ञा

कार्यक्रम के दौरान मुख्य पर्यावरण अधिकारी मनीषा प्रधान ने महाराष्ट्र सरकार के 'माझी वसुंधरा' अभियान की जानकारी दी, जिसमें नागरिक भागीदारी पर विशेष जोर दिया गया है। उन्होंने नागरिकों को ई-प्रतिज्ञा लेने के लिए प्रेरित किया और उपस्थित लोगों ने अपने मोबाइल पर पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली। इस अभियान का उद्देश्य पर्यावरण जागरूकता बढ़ाना और नागरिकों को प्रकृति संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करना है।

तीन स्पेशल ट्रेनों का धरनगांव स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पश्चिम रेलवे ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तीन साप्ताहिक स्पेशल ट्रेनों – बांद्रा टर्मिनस-रीवा, वलसाड-दानापुर और राजकोट-महबूबनगर – के धरनगांव स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव की घोषणा की है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार, इन ट्रेनों के अतिरिक्त ठहराव से स्थानीय यात्रियों को सुविधा मिलेगी। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से इस सेवा का लाभ उठाने की अपील की है।

बांद्रा टर्मिनस-रीवा स्पेशल

बांद्रा टर्मिनस से शुरू होने वाली ट्रेन संख्या 09129 बांद्रा टर्मिनस-रीवा साप्ताहिक स्पेशल को 27 मार्च, 2025 से धरनगांव स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। यह ट्रेन धरनगांव स्टेशन पर 13:34 बजे पहुंचेगी और 13:36 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार, रीवा से शुरू होने वाली ट्रेन संख्या 09130 रीवा-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल को 28 मार्च, 2025 से धरनगांव स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। यह ट्रेन धरनगांव स्टेशन पर 03:31 बजे पहुंचेगी और 03:33 बजे प्रस्थान करेगी।

वलसाड-दानापुर स्पेशल

वलसाड से शुरू होने वाली ट्रेन संख्या 09025 वलसाड - दानापुर साप्ताहिक स्पेशल को 24 मार्च, 2025 से धरनगांव स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। यह ट्रेन धरनगांव स्टेशन पर 13:34 बजे पहुंचेगी और 13:36 बजे प्रस्थान करेगी।

राजस्थानी समाज ने धूमधाम से मनाया गणगौर मेला

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

रेमंड ग्राउंड में राजस्थानी समाज द्वारा गणगौर मेले का आयोजन बड़े उत्साह और भव्यता के साथ किया गया। इस कार्यक्रम को रेमंड रियालटी चैनल पार्टनर तुलसी स्टूडियो का विशेष सहयोग प्राप्त था। कार्यक्रम के आयोजक ओमप्रकाश झाझूका ने बताया कि मेले की शुरुआत शानदार शोभायात्रा से हुई, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने नाचते-गाते हुए रेमंड हनुमान मंदिर से रेमंड हिमालय ग्राउंड तक यात्रा निकाली। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रेमंड निदेशक एस.एल. पोखरना, रेमंड के सीईओ संदीप महेश्वरी, रेमंड रिएलिटी के प्रशांत राठौड़, संजीव सरीन, विशाल शर्मा और खोजेश्वर कौशिक सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। रेमंड निदेशक एस.एल. पोखरना ने गणगौर महोत्सव की सराहना करते हुए इसे राजस्थान की समृद्ध परंपरा का प्रतीक बताया। सीईओ संदीप महेश्वरी ने राजस्थान समाज का अभिनंदन किया और गणगौर की शुभकामनाएं दीं।मेले में महिलाओं और बच्चों के लिए मेहंदी, टैटू, बैंगल्स, नेल आर्ट, सेल्फी पॉइंट, 360 कैमरा, गेम ज़ोन और स्वादिष्ट व्यंजनों के विशेष स्टॉल लगाए गए।राजस्थानी समाज की महिलाओं ने नवरात्रि, शिवरात्रि, गणगौर और फूलों की होली पर शानदार नृत्य प्रस्तुत किए। इसके अलावा, विक्रम संवत, रामनवमी, हिरण्यकश्यप, तुलसी और शालिग्राम विवाह जैसे पारंपरिक प्रसंग भी मंचित किए गए।

बिहार स्थापना दिवस एवं सहस्त्र चंद्र दर्शन समारोह का आयोजन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पूर्वांचल परिषद एवं बिहार प्रकोष्ठ द्वारा 23 मार्च 2025 को मुंबई के विले पारले में बिहार स्थापना दिवस एवं सहस्त्र चंद्र दर्शन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्थानीय विधायक पराग अलवणी ने की, जबकि सूत्र संचालन उभामो मुंबई के महामंत्री रमाकांत गुप्ता द्वारा किया गया। कार्यक्रम की प्रस्तावना भाजपा नेता आर.यू. सिंह ने रखी। इस अवसर पर मनमोहक भजन संध्या का आयोजन भी हुआ। समारोह में भाजपा के वरिष्ठ एवं कर्मठ नेताओं का शाल, श्रीफल, पुष्पगुच्छ और गुढ़ी भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर भाजपा मुंबई के महामंत्री एवं विधायक संजय उपाध्याय ने मजदूर नेता हरिनाथ तिवारी का विशेष रूप से सत्कार किया। सत्कार मूर्ति में दयानंद बालक विद्यालय ट्रस्ट के अध्यक्ष वरिष्ठ मिठाई लाल सिंह, पूर्व विधायक शचीन्द्र सिंह, शिक्षाविद् यज्ञनारायण दुबे, उत्तर भारतीय संघ के संतोष सिंह, चक्रधर झा, मोहन मिश्रा, विधायक श्रीमती विद्या ठाकुर और श्रीमती स्नेहा दुबे शामिल रहीं। इस भव्य आयोजन में भाजपा के वरिष्ठ नेता कृपाशंकर सिंह, सिद्धिविनायक मंदिर के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी, उभामो मुंबई अध्यक्ष आर.डी. यादव और बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। समारोह ने बिहार की संस्कृति और विरासत को मुंबई में एक नया आयाम दिया।

भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन से 'डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर यात्रा'

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम लिमिटेड (आईआरसीटीसी) ने ₹डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर यात्रा₹ टूर पैकेज की घोषणा की है। यह विशेष यात्रा भारतीय रेलवे की ₹भारत गौरव नीति₹ के तहत आयोजित की जा रही है, जिसका उद्देश्य किफायती पर्यटन को बढ़ावा देना है। यह 8 रात और 9 दिनों की यात्रा बाबा साहेब अंबेडकर के जीवन और बौद्ध धरोहर से जुड़े महत्वपूर्ण स्थलों को कवर करेगी।

ऐतिहासिक स्थलों का दौरा

इस यात्रा के दौरान यात्री पुणे, मुंबई, महू, दिल्ली और नागपुर में स्थित ऐतिहासिक स्थलों का दौरा करेंगे। इसमें दापोड़ी विहार, डॉ. अंबेडकर संग्रहालय, राजगृह दादर, चैत्य भूमि, सिद्धार्थ कॉलेज, डॉ. अंबेडकर राष्ट्रीय स्मारक, दीक्षाभूमि और नागलोक जैसे प्रमुख स्थान शामिल हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन में आधुनिक पेंट्री कार, सीसीटीवी, यात्री घोषणा प्रणाली, एसी और नॉन-एसी बस परिवहन, शाकाहारी भोजन और यात्रा बीमा जैसी सेवाएं दी जाएंगी।

29 अप्रैल से शुरू होगी यात्रा

यात्रा 29 अप्रैल 2025 से शुरू होगी और इसमें कुल 662 यात्री यात्रा कर सकते हैं। टूर पैकेज की कीमत स्लीपर श्रेणी के लिए 14,990, 3AC के लिए 28,420 और 2AC के लिए 35,230 निर्धारित की गई है। आईआरसीटीसी का यह विशेष पर्यटक ट्रेन टूर यात्रियों को एक यादगार अनुभव प्रदान करेगा, जिससे वे बाबा साहेब अंबेडकर के जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं को करीब से जान सकेंगे।

नवभारत साक्षरता अभियान की पहली परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न

डीबीडी संवाददाता । कल्याण

महाराष्ट्र शालेय शिक्षण (योजना) विभाग द्वारा आयोजित नवभारत साक्षरता अभियान के तहत असाक्षरों की पहली परीक्षा रविवार, 23 मार्च 2025 को सफलतापूर्वक संपन्न हुई। परीक्षा का आयोजन कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका (KDMC) शिक्षा विभाग द्वारा सुव्यवस्थित तरीके से किया गया था।

परीक्षा संचालन और निरीक्षण

परीक्षा केंद्रों की निगरानी सीआरसी प्रमुखों द्वारा की गई। शिक्षा विभाग के अधिकारियों और समग्र शिक्षा कर्मचारियों ने केंद्रों का निरीक्षण किया। कुछ परीक्षा केंद्रों पर वरिष्ठ नागरिकों ने भी परीक्षा दी। इस परीक्षा का सफल आयोजन शिक्षा अधिकारी विजय सरकटे और प्रशासनिक अधिकारी रमेश चव्हाण के निर्देशानुसार किया गया। परीक्षा संचालन में विजय सरकटे के मार्गदर्शन में चंद्रमणी सरदार, विषय विशेषज्ञ और तकनीकी शिक्षक विलास लिखार सर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

परीक्षा में बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों की भागीदारी

इस अभियान के तहत कुल 2249 असाक्षरों का पंजीकरण हुआ, जिनमें से 2055 परीक्षार्थियों ने मराठी, हिंदी, अंग्रेजी और गुजराती माध्यम से परीक्षा दी। परीक्षा 352 केंद्रों पर सुबह 10 :00 बजे से शाम 5 :00 बजे तक आयोजित की गई।

उगादि और रमजान त्योहारों के लिए कलबुर्गी-बेंगलुरु के बीच 2 विशेष ट्रेनें

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

रेलवे ने उगादि और रमजान त्योहारों के दौरान यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए कलबुर्गी और बेंगलुरु के बीच दो विशेष ट्रेनें चलाने की घोषणा की है। ट्रेन संख्या 06519 एसएमवीटी बेंगलुरु से 28 मार्च 2025 को रात 9:15 बजे रवाना होगी और अगले दिन सुबह 7:40 बजे कलबुर्गी पहुंचेगी, जबकि ट्रेन संख्या 06520 कलबुर्गी से 29 मार्च 2025 को सुबह 9:35 बजे प्रस्थान कर उसी दिन रात 8:00 बजे एसएमवीटी बेंगलुरु पहुंचेगी।

यहां होगा ट्रेनों का ठहराव

इन ट्रेनों का ठहराव शहाबाद, यादगिर, कृष्णा, रायचूर, मंत्रालयम रोड, आदोनि, गुंतकल, अनंतपूर, धर्मवरम और यलहंका स्टेशनों पर होगा। कोच संरचना में एसी-II टियर, एसी-III टियर, स्लीपर क्लास, जनरल सेकेंड क्लास और लगेज ब्रेक वैन सहित कुल 19 कोच होंगे।

'मणिकर्णिका पुरस्कार' से सम्मानित हुईं तीन महिलाएँ

डीबीडी संवाददाता । कल्याण

जायंट्स ग्रुप ऑफ कल्याण मिडटाउन सहेली और जायंट्स ग्रुप ऑफ कल्याण मिडटाउन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को 'मणिकर्णिका पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। यह समारोह बिड़ला कॉलेज सभागार में गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस वर्ष पूर्व नगरसेविका वीणा जाधव, सज्जन चैरिटेबल ट्रस्ट की अनुजा लिमये और अंतरराष्ट्रीय मैराथन धावक सोनल ठाकुर को यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया गया।

समारोह में गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति

इस अवसर पर बिड़ला कॉलेज निदेशक डॉ. नरेश चंद्रा, जायंट्स ग्रुप के अध्यक्ष उर्वशी गुप्ता और संजय गुप्ता, केंद्रीय समिति सदस्य मनोहर पालन, गगन जैन, और 'सोलर मैन' के रूप में प्रसिद्ध प्रशांत भागवत उपस्थित रहे।यह सम्मान समारोह 12वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है, जिसमें अब तक अनेक सिद्ध महिलाओं को उनके प्रेरणादायक कार्यों के लिए सम्मानित किया गया है।कार्यक्रम में प्रशांत भागवत ने मनपा स्कूलों को सौर ऊर्जा आधारित बनाने के प्रयासों पर प्रकाश डाला और सभी से बिजली बचाने का आग्रह किया। इस आयोजन ने महिलाओं की उपलब्धियों को पहचानने और प्रेरित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम जोड़ा।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा संभव है। विवाद न करें। रोजगार मिलेगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। आपकी मिलनसारिता व धैर्यवान प्रवृत्ति आपके जीवन में आनंद का संचार करेगी।

वृष सार्वजनिक कार्यों में समय व्यतीत होगा। संतान की ओर से शुभ समाचार मिलेंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। रोजगार के क्षेत्र में उन्नति होगी। कुसंगति से बचें। लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है।

मिथुन दुःखद समाचार मिल सकता है। विरोध होगा। व्यर्थ भागदौड़ होगी। लाभ के अवसर टलेंगे। विवाद न करें। कार्य निर्णय बहुत शांति से विचार करके करना ही शुभ है। स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें। रुका धन मिलेगा।

कर्क वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। लाभ होगा। उत्तम मनोबल आपकी सभी समस्याओं को हल कर देगा। प्रतिष्ठित जनों से मेलजोल बढ़ेगा।

सिंह अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार मिलेंगे। मान बढ़ेगा। विवाद न करें। आर्थिक स्थिति में सुधार की संभावना है। व्यापार में नए अनुबंध होंगे। व्ययों में कमी करना चाहिए।

कन्या व्यवसाय ठीक चलेगा। परोपकार करके मानसिक सुख अर्जित करेंगे। व्यापारिक स्थिति आशाजनक रहेगी। पारिवारिक, मांगलिक कार्य की योजना बनेगी। कर्ज लेने से बचना चाहिए। परिवार की चिंता रहेगी।

तुला धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। समाज के कामों में उत्साहपूर्वक भाग लेंगे। नौकरी में तबादला तथा पदोन्नति के योग हैं। अनावश्यक क्रोध न करें।

वृश्चिक आय में कमी रहेगी। धैर्य रखें। स्वास्थ्य की समस्या हल होगी। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी। जीवनसाथी की भावनाओं को समझें। आर्थिक निवेश लाभकारी रहेगा। पुराना रोग उभर सकता है।

धनु रोजगार मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। नवीन गतिविधियां लाभकारी रहेंगी। व्यापार में नई योजनाओं का प्रारंभ होगा। पराक्रम के प्रति निष्क्रियता के कारण मन अप्रसन्न रहेगा

मकर विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। रोजगार की चिंता रह सकती है। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। मानसिक दृढ़ता से निर्णय लेकर कार्य करना चाहिए।

कुंभ सुख के साधन जुटेंगे। प्रयास सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में मनचाही पदोन्नति मिलने के योग बनेंगे। धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी।

मीन नई योजना बनेगी। कार्य का विस्तार होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। अपनी वस्तुएं संभालकर रखें। काम के प्रति दृढ़ता से कार्य में अनुकूल सफलता मिल सकेगी।

जीवन मे अच्छी सफलता कब मिलेगी।

प्रियंका जैन
9769994439

जीवन मे अच्छी सफलता का मतलब होता है अच्छा रोजगार अच्छा कार्यक्षेत्र जैसे व्यापार,नौकरी आदि..भाग्योदय, अच्छी आर्थिक स्थिति, सुख-सौभाग्य, और जीवन की मूल भूत भौतिक इच्छाएं पूर्ण हो रही है और जीवन अच्छा व्ययतीत हो रहा हो आदि साथ ही सफलता मिले जो जीवन होता है एक तरह से वह सिर्फ घुटन जैसा लगता है।

लेकिन जब जीवन मे अच्छी साफलता प्राप्त होती है तब सिर उठाकार जीवन जीने का जो आनन्द होता है वह सफल व्यक्ति ही जानता है अब अच्छा समयकाल जीवन मे कब आएगा , कब अच्छी सफलता मिलेगी आदि।

यह सब निर्भर करेगा जातक की कुंडली के सफलता संबंधी ग्रह और योगो पर साथ ही ग्रहो की महादशाओं और अन्तर्दशाओ पर, मुख्य रूप से महादशा पर जब कुंडली में कोई राजयोग हो, कोई अच्छे योग हो, अच्छे धन योग हो, अच्छे भवन सुख हो और इसमें भी महत्वपूर्ण रूप से ग्रहो की महादशा का अच्छा समय आने पर निश्चित ही जीवन मे अच्छा समय चलेगा और जातक अच्छा जीवन भौतिक रूप से व्ययतीत करेगा, कैसे? अब इसको कुछ उदाहरणो से समझे,

उदाहरण अनुसार1:-

वृश्चिक लग्न अनुसार, किसी जातक या जातिका की वृश्चिक लग्न की कुंडली बने तब यहाँ दशमेश सूर्य की स्थिति अच्छी हो चाहे सामान्य ही हो, क्योंकि यह कार्यक्षेत्र स्वामी है साथ ही द्वितीय भावपति गुरु की स्थिति भी अच्छी हो क्योंकि द्वितीय भावपति गुरु धन स्वामी है साथ ही गुरु पंचम भावपति भी है अब सूर्य और गुरु का किसी तरह युति/दृष्टि राशि परिवर्तन आदि से संबंध में हो साथ ही गुरु और सूर्य दोनो बलवान हो, चाहे सामान्य ही बलवान हो लेकिन बलवान होने चाहिए ,तब यहाँ जब भी गुरु या सूर्य की महादशा का समय काल आएगा तब जातक का बहुत अच्छा समय निश्चित ही चलेगा क्योंकि सूर्य गुरु राजयोग में है और अन्य तरह से भी दोनो शुभ स्थितिगत है, अब गुरु और सूर्य के बाद जैसे कि गुरु के बाद शनि की महादशा और सूर्य के बाद चन्द्र आदि ग्रहो की महादशा भी अच्छी होगी तब भविष्य में लम्बे समय या आगे की ग्रह दशाओ के अनुसार अच्छा ही समयकाल रहेगा।

उदाहरण अनुसार2:-

मकर लग्न अनुसार, मकर लग्न में जैसे कि शनि लग्नेश होता है साथ ही द्वितीयभावपति भी होता है,अब शनि लग्नेश और द्वितीय भावपति होकर किसी तरह के राजयोग में बैठे या किसी अन्य तरह से शुभ स्थिति में बैठा हो , जैसे मकर लग्न में शुक्र पंचम और दशम भावपति होकर बेहद शुभ और सफलता कारक ग्रह होता है शनि शुक्र के साथ संबंध बनाकर बलि स्थिति में शुभ भावगत बैठे तब जब भी शनि या शुक्र की महादशा का समयकाल आएगा या किसी लाभकारी ग्रह की महादशा के समय शनि या शुक्र का अंतर आएगा तब जीवन मे सफलता आदि राजयोग तुल्य सुख मिलेगा और समयकाल काफी अच्छा चलेगा।।

महादशाओं का ऐसे ग्रहों की मिलना परम अच्छा होता है जीवन के लिए क्योंकि महादशा लंबे समयकाल के लिए आती है ज्यादातर ग्रहों की साथ ही जितने ज्यादा ग्रहों की स्थिति अनुकूल होगी और उनकी दशाएं मिलेगी समय उसी अनुसार ज्यादा से ज्यादा अच्छा आता है या चलता रहता है।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

उत्तर भारत / बिजनेस

ओबीसी आरक्षण के साथ होगा नगर निकाय का चुनाव

रांचीः झारखंड में ट्रिपल टेस्ट की प्रक्रिया पूरी कर ओबीसी आरक्षण के साथ ही 48 नगर निकायों में चुनाव कराया जाएगा। विधानसभा में 24 मार्च को सरयू राय के अल्पसूचित प्रश्न के जवाब में मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने यह बात कही है। सरकार के इस रुख से निकाय चुनाव में और विलंब होना तय है। मंत्री का कहना है कि रांची, कोडरमा और देवघर को छोड़कर शेष 21 जिलों में ट्रिपल टेस्ट के तहत डोर-टू-डोर सर्वे का काम पूरा हो चुका है। प्राप्त प्रतिवेदन की समीक्षा के लिए आयोग की टीम क्षेत्रों का भ्रमण कर रही है।

शिक्षा विभाग ने 10225 शिक्षकों का किया तबादला

पटना। शिक्षा विभाग ने अपने प्रेस रिलीज में बताया कि बिहार में 1 लाख 90 हजार के शिक्षकों ने ट्रांसफर के लिए आवेदन किया था। लंबे समय से ये शिक्षक इंतजार कर रहे थे। कई महीनों बाद जाकर आज विभाग शिक्षकों पर मेहरबान हुई है। विभाग ने सोमवार को 10,225 शिक्षकों की लिस्ट जारी की है। जिन 10225 शिक्षकों का ट्रांसफर किया गया है, उनका स्कूल आवंटन नहीं हुआ है। सिर्फ जिले का नाम अभी आया है। दरअसल वैसे शिक्षक/शिक्षिकाओं से स्थानांतरण के लिए ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर आवेदन मांगा गया था जो विशेष समस्या से पीड़ित थे। प्रेस रिलीज में बताया गया कि 1,90,000 शिक्षकों ने आवेदन किया, इसमें से 51,284 शिक्षकों ने इंटर डिस्ट्रिक्ट ट्रांसफर हेतु आवेदन किया है। जिन शिक्षकों का ट्रांसफर हुआ है उन्हें स्कूलों का आवंटन 10।04।2025 से 20।04।2025 तक किया जायेगा। शिक्षा विभाग की ओर से जारी सूची में बताया गया है असाध्य रोग (कैंसर) से ग्रसित 113 पुरुष शिक्षकों ने ट्रांसफर के लिए आवेदन किया था। इसके अलावा 113 महिला शिक्षकों ने भी इसी समस्या के कारण ट्रांसफर के लिए आवेदन किया था। इसके अलावा किडनी रोग, हार्ट और लीवर के रोग से ग्रसित कुल 937 महिला और पुरुष शिक्षकों का ट्रांसफर हुआ है। दिव्यंगता के आधार पर कुल 2685, परिवार में मानसिक रूप से परेशान सदस्यों के लिए आवेदन करने वाले 573 का ट्रांसफर किया गया है। शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि यदि शिक्षकों द्वारा ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर दिये गए अभ्यावेदन एवं घोषणा पत्र में किसी भी प्रकार का गलत सूचना दिया गया है तो उनके विरूद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा सभी स्थानान्तरित शिक्षकों को जो जिला आवंटित किए गए हैं, उसे वे स्वीकार करते हैं।

तब्लीगी जमात से जुड़े 10 नेपाली नागरिकों को किया गया डिपोर्ट

मोतिहारी : राजस्थान में पकड़े गए तब्लीगी जमात के 10 नेपाली नागरिकों को पूर्वी चंपारण जिला के रक्सौल बॉर्डर से डिपोर्ट किया गया है। हालांकि, राजस्थान पुलिस ने स्थानीय इमीग्रेशन, एसएसबी और थाना पुलिस को इस मामले की जानकारी भी नहीं दी तथा इनको इसकी भनक भी नहीं लगी। डिपोर्ट किए गए दस नेपाली नागरिकों में पांच महिला और पांच पुरुष हैं। इनपर भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। भारत नेपाल सीमा पर तैनात एसएसबी 47 वीं बटालियन पनटोका कैंप के डिप्टी कमांडेंट दीपक कृष्णन ने बताया कि, "राजस्थान पुलिस द्वारा 10 नेपाली नागरिक को छोड़े जाने की जानकारी नहीं दी गई है। इमिग्रेशन विभाग को भी राजस्थान पुलिस की इस कार्रवाई की जानकारी नहीं है।" वहीं रक्सौल थानाध्यक्ष भी राजस्थान पुलिस की कार्रवाई से अनभिज्ञ हैं। मिली जानकारी के अनुसार, तब्लीगी जमात से जुड़े 10 नेपाली नागरिकों को राजस्थान के दौसा पुलिस ने पकड़ा था। जिसमें पांच पुरुष और उनकी पत्नियां शामिल थी। ये सभी विगत चार मार्च को रक्सौल बॉर्डर से भारत में प्रवेश कर राजस्थान पहुंचे। सभी पांच पुरुष पापड़दा इलाके के एक मस्जिद में रह रहे थे। वहीं उनकी पत्नी दौसा के अलग-अलग घरों में रह रही थी।

आईईडी के सुरक्षा घेरे में 60 से ज्यादा नक्सली

22 ग्रामीणों की जा चुकी है जान, 26 सुरक्षाकर्मी घायल

एजेंसी । रांची

चाईबासा में नक्सलियों द्वारा अपनी सुरक्षा के लिए जमीन के अंदर लगाए गए आईईडी सुरक्षा बलों के लिए घातक साबित हो रहे हैं। जैसे-जैसे सुरक्षा बल नक्सलियों के करीब पहुंच रहे हैं, वैसे-वैसे विस्फोट की घटनाएं भी बढ़ती जा रही हैं। अकेले मार्च 2025 में विस्फोट की तीन घटनाएं सामने आई हैं, जिसमें पांच जवान घायल हुए हैं, जबकि सीआरपीएफ के एक सब इंस्पेक्टर शहीद हुए हैं।

नवंबर 2023 से अब तक 22 ग्रामीणों की मौत

कोल्हान में सुरक्षा बलों के बाद सबसे ज्यादा नुकसान ग्रामीणों को उठाना पड़ रहा है, नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी में विस्फोट होने से अब तक 24 ग्रामीणों की जान जा चुकी है, जबकि 14 गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

सुरक्षा बल भी निशाने पर

झारखंड के कोल्हान इलाके में पुलिस और नक्सलियों के बीच निर्णायक लड़ाई चल रही है। कोल्हान की जंग पुलिस बहुत पहले ही जीत जाती, लेकिन नक्सलियों द्वारा जंगल क्षेत्रों में अपनी सुरक्षा के लिए लगाए गए आईईडी बम अब तक इस जंग को जीतने में बाधा बने हुए हैं। नवंबर 2022 से अब तक कोल्हान में आईईडी बमों के विस्फोट से 26 सुरक्षाबल घायल हो चुके हैं। इनमें 209 कोबरा बटालियन के इंस्पेक्टर प्रभाकर साहनी, हवलदार अलख दास, मुकेश कुमार सिंह, अजय लिंडा, भरत सिंह राय, फारूकी शाहरुख खान, वीरपाल सिंह, प्रिंस सिंह, अमरेश सिंह, सौरभ कुमार, संतोष और चिरंजीव पात्रे विस्फोट में घायल हुए हैं। सभी को आनन-फानन में एयरलिफ्ट कर रांची ले जाया गया। अधिकांश जवान अपनी चोटों से उबर चुके हैं लेकिन कई अभी भी अस्पताल में इलाज करा रहे हैं। कोल्हान में सीआरपीएफ के कई जवान भी घायल हुए हैं, जिनमें इंशार अली, राकेश कुमार पाठक, पंकज कुमार यादव और संजीव कुमार शामिल हैं। 22 मार्च को हुए विस्फोट में सीआरपीएफ के सब इंस्पेक्टर शहीद हो गए थे, जबकि हेड कांस्टेबल गर्ग घायल हुए थे।

बेहद खतरनाक हैं ये इलाके

चाईबासा के जराइकेला, रेंगरा, टोंटो, सोनुवा, जेटेया, गुदरी और तुम्बाहाटा ऐसे इलाके हैं, जहां जंगलों में कदम-कदम पर नक्सलियों ने मौत का साजो-सामान बिछा रखा है। इन वन क्षेत्रों में विस्फोटों के कारण पिछले डेढ़ साल में 22 ग्रामीणों की जान जा चुकी है। हालात ऐसे हैं कि बाइक से जंगल में अभियान पर निकलने वाले जवान भी आईईडी बमों का शिकार बन रहे हैं।

आईईडी बनी चुनौती

झारखंड का सारंडा क्षेत्र ही एकमात्र ऐसा इलाका बचा है, जहां से नक्सलियों के एक बड़े समूह का सफाया किया जाना है, जिन पर एक करोड़ रुपये के कई इनाम भी हैं। ऑपरेशन में लगे सुरक्षा बल किसी भी तरह सारंडा को फतह करना चाहते हैं, लेकिन जमीन के अंदर बिछाई गई मौत की सामग्री उनकी राह में रोड़ा बन रही है। मार्च 2025 के महीने में नक्सलियों द्वारा तीन बार विस्फोट किए गए हैं। 5 मार्च को हुए विस्फोट में तीन जवान घायल हुए थे, 16 मार्च को हुए विस्फोट में एक जवान घायल हुआ था, जबकि 22 मार्च को हुए विस्फोट में सीआरपीएफ के सब इंस्पेक्टर सुनील मंडल शहीद हो गए थे और सीआरपीएफ के एक हेड कांस्टेबल घायल हुए थे।

69000 शिक्षक भर्ती मामला

अभ्यर्थियों ने बेसिक शिक्षा मंत्री का आवास घेरा

एजेंसी । लखनऊ

69000 शिक्षक भर्ती में शामिल आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने सोमवार को बेसिक शिक्षा मंत्री के आवास का घेराव किया। बड़ी संख्या में पहुंचे अभ्यर्थियों ने जोरदार नारेबाजी की और सरकार पर अनियमितताओं का आरोप लगाया। अभ्यर्थियों का कहना है कि भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ी के कारण हजारों आरक्षित वर्ग के उम्मीदवार नौकरी से वंचित रह गए। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इस मामले में अभ्यर्थियों के पक्ष में फैसला दिया था, लेकिन सरकार ने अब तक इसका पालन नहीं किया, जिससे मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है।

अभ्यर्थियों की मांग: सुप्रीम कोर्ट में हो ठोस पैरवी

प्रदर्शनकारी अभ्यर्थी कृष्ण चंद्र ने बताया कि रहमारी मांग है कि सरकार सुप्रीम कोर्ट में मजबूती से पक्ष रखे और जल्द से जल्द इस मामले का निपटारा करे।र सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई 25 मार्च को होनी है, लेकिन सरकार अब तक अपने रुख को स्पष्ट नहीं कर रही।

8 साल 'बेमिसाल' लेकिन 5 साल 'बेहाल'

अभ्यर्थियों ने सरकार पर जानबूझकर मामले को लटकाने का आरोप लगाया। अमरेंद्र पटेल ने बताया कि 2018 में शुरू हुई यह भर्ती प्रक्रिया लगातार विवादों में रही। 13 अगस्त 2024 को इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने तीन महीने के भीतर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने का आदेश दिया था, लेकिन सरकार ने इस फैसले को लागू नहीं किया और मामला सुप्रीम कोर्ट में चला गया। अब अभ्यर्थियों ने सरकार से मांग की है कि वह सुप्रीम कोर्ट में ठोस पैरवी करे और उनके हक की नौकरी दिलाए।

हवाला के पैसों से तो नहीं चल रहे अवैध मदरसे!

धामी सरकार ने दिए जांच के आदेश

एजेंसी । देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर उत्तराखंड में अवैध रूप से संचालित मदरसों की जांच तेज कर दी गई है। पुलिस और प्रशासन की कार्रवाई में अब तक 136 मदरसे सील किए जा चुके हैं, जबकि रिपोर्ट के अनुसार, 500 से अधिक अवैध मदरसों के संचालन की जानकारी मिली है। अब सवाल यह उठ रहा है कि इन मदरसों की फंडिंग कहां से आ रही थी। प्रशासन को निर्देश दिया गया है कि जांच रिपोर्ट सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय को सौंपी जाए।

> प्रदेश में अवैध मदरसों, मजारों और अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। अवैध रूप से बड़े पैमाने पर मदरसों का संचालन गंभीर विषय है। जिसकी जांच के लिए अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए हैं।
> - पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री

अवैध निर्माण पर भी कार्रवाई

देहरादून जिला प्रशासन ने 24 मार्च को सहसपुर के एक मदरसे में अवैध निर्माण पर कार्रवाई करते हुए उसे सील कर दिया। उक्त मदरसे ने बिना अनुमति के एक अतिरिक्त मंजिल का निर्माण किया था।

फंडिंग की होगी विस्तृत जांच

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, राज्य में करीब 450 पंजीकृत मदरसे हैं, जो शासन को अपनी वित्तीय जानकारी देते हैं। लेकिन बिना मान्यता के चल रहे 500 से अधिक मदरसों की आर्थिक स्रोतों की जांच के आदेश जारी किए गए हैं। इसके अलावा, सरकार यह भी सुनिश्चित करेगी कि इन अवैध मदरसों को धन कहां से मिल रहा है।

10 महीने भी नहीं चली लाखों की सीसीरोड, 60 दिन में ही उखड़ी

भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई की मांग

एजेंसी । गौरेला पेंड्रा मरवाही

गौरेला पेंड्रा मरवाही में एक बार फिर निर्माण कार्य में भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। ग्राम पंचायत अमरपुर से लटकोनी तक सीसीरोड का निर्माण दो महीने पहले किया गया था।लेकिन दो माह बाद रोड गायब हो गई और पीछे रेत गिट्टी छोड़ गई।ग्रामीणों की माने तो 10 लाख की लागत से रोड का निर्माण करवाया गया था,लेकिन अब रोड ने अपनी भ्रष्टाचार की कहानी खुद बयां कर दी।ग्रामीणों ने घटिया सड़क बनाने वाले अधिकारी और ठेकेदार पर कार्रवाई की मांग की है।

कहां पर रोड निर्माण में हुई धांधली

ग्राम पंचायत अमरपुर के द्वारा तीन भागों में 15वे वित्त की 10 लाख रुपए राशि की लागत से सीसीरोड निर्माण कार्य कराया गया।लेकिन सड़क दो महीने के अंदर ही उखड़ने लगी।जिससे रोड निर्माण में घटिया सामग्री के इस्तेमाल के आरोप लग रहे हैं। सीसी रोड निर्माणकार्य में शासन के इस्टीमेट में रोड की मोटाई 6 इंच होनी चाहिए।लेकिन सड़क साइड से 6 इंच और कहीं-कहीं बीच में 3 इंच की रह गई है।सीसीरोड निर्माण में वाइब्रेटर का इस्तेमाल करना चाहिए।लेकिन वो भी इसके निर्माण में नहीं हुआ।

जफर अली की गिरफ्तारी के बाद सपा सांसद की बढ़ी मुश्किलें

जियाउर्रहमान बर्क को पुलिस भेजेगी नोटिस

एजेंसी । संभल

जामा मस्जिद के सदर जफर अली की गिरफ्तारी के बाद अब सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क की मुश्किलें बढ़ गई हैं। पुलिस सपा सांसद को विवेचना में शामिल होने के लिए 41A का नोटिस देने की तैयारी में है। हिंसा से जुड़े केस में सांसद नामजद अभियुक्त हैं, इसलिये उनके बयान होने जरूरी हैं। बता दें कि संभल में बीते साल 24 नवंबर को शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान बवाल हुआ था, जिसमें चार लोगों की मौत हुई थी। 29 पुलिसकर्मी घायल हुए थे। मामले में सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क और सपा विधायक इकबाल महमूद के बेटे सुहैल इकबाल सहित 40 नामजद और 2750 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।

हिंसा मामले में 80 गिरफ्तार

पुलिस अब तक इस मामले में 80 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है, जबकि 74 आरोपियों के पोस्टर चस्पा किए गए हैं। बीते 23 मार्च को संभल पुलिस ने जामा मस्जिद के सदर जफर अली एडवोकेट को संभल हिंसा मामले में पूछताछ के लिए बुलाया था, इसके बाद उन्हें आरोपी बनाते हुए गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। कोर्ट ने 2 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजा दिया। संभल एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि थाना कोतवाली संभल में 24 नवंबर की हिंसा मामले में केस दर्ज किया गया है। रविवार को जफर अली गिरफ्तारी की गई। हाईकोर्ट की गाइडलाइन के अनुसार, विवेचक द्वारा सांसद को 41 ए का नोटिस दिया जाएगा। जिससे उनसे पूछताछ हो सके। उन्होंने बताया कि सांसद नामजद अभियुक्त हैं इसके आधार पर उनका बयान होना जरूरी है। उनकी अन्य व्यक्तियों से क्या बात हुई, दंगा कैसे भड़का, यह सब पूछताछ में जरूरी है।

व्यापार जगत

स्मार्ट लैब से विदेशी मुद्रा की हर चाल पर नजर

- धन शोधन और आतंकी फंडिंग से भी उठ सकता है पर्दा
- लैब का निर्माण आर्थिक अपराधों पर प्रहार के लिए हुआ

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्रालय की फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट (एफआईयू) द्वारा विकसित स्मार्ट लैब अब मुद्रा की हर चाल पर नजर रखेगी। यह अत्याधुनिक लैब धन शोधन और आतंकी फंडिंग से जुड़े मामलों का पर्दाफाश करने में सक्षम है। भारत आने वाले यात्रियों द्वारा लाई गई विदेशी मुद्रा का पूरा विवरण करेंसी डिक्लरेशन फॉर्म (सीडीएफ) में भरा जाता है। एफआईयू इस डेटा का विश्लेषण कर यह पता लगाने में सक्षम है कि कौन कितनी बार विदेशी मुद्रा के साथ भारत आया और उसका उद्देश्य क्या था।

टैक्स चोरी और एफसीआरए उल्लंघन पर भी नजर

एफआईयू के अनुसार, यह लैब विदेशी योगदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के तहत गैरकानूनी धन के उपयोग, टैक्स चोरी और अन्य वित्तीय फर्जीवाड़ों पर भी पैनी नजर रख रही है।

आधुनिक फंड फ्लो टूल देगा पूरी जानकारी

स्मार्ट लैब में मौजूद फंड फ्लो टूल बैंक खातों में जमा और निकासी का बारीकी से विश्लेषण कर सकता है। यह टूल विभिन्न वित्तीय संस्थानों के बैंक स्टेटमेंट को एक समान फॉर्मेट में बदलकर संदिग्ध लेनदेन को उजागर करता है।

तकनीक से होगा तेजी से विश्लेषण

इस टूल में पायथन और फ्लास्क जैसी अत्याधुनिक कंप्यूटर प्रोग्रामिंग तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है, जिससे मिनटों में यह पता चल सकता है कि धन कहां से आया, कब आया और कहां भेजा गया।

शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी

सेंसेक्स 77,984 और निफ्टी 23,658 पर बंद

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार सोमवार को लगातार छठे कारोबारी दिन मजबूती के साथ बंद हुआ। इस तेजी के चलते सेंसेक्स और निफ्टी दोनों पिछले 7 सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। निफ्टी 6 फरवरी के बाद पहली बार 23,600 के पार बंद हुआ, जबकि सेंसेक्स 78,000 अंक के स्तर को पार करने में सफल रहा।

सभी सेक्टोरल इंडेक्स में तेजी

आज के कारोबार में पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, रियल्टी, बैंकिंग, एनर्जी, आईटी, ऑयल एंड गैस, ऑटो, टेक, एफएमसीजी, हेल्थकेयर और मेटल सेक्टर के शेयरों में अच्छी खरीदारी देखी गई। बीएसई मिडकैप इंडेक्स 1.32% बढ़कर बंद हुआ स्मॉलकैप इंडेक्स 1.17% की तेजी के साथ बंद हुआ।

बाजार में जोरदार तेजी, निवेशकों को 5.19 लाख करोड़ रुपये का फायदा

बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 418.49 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो शुक्रवार को 413.30 लाख करोड़ रुपये था। शेयर बाजार में आई मजबूती से निवेशकों की संपत्ति में 5.19 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ।

मीशो 8,300 करोड़ का IPO लाएगी

- जल्द फाइल कर सकती है ड्राफ्ट डॉक्यूमेंट्स
- 85,500 करोड़ हो सकती है वैल्यूएशन

मुंबई। डोमेक्सिट ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म मीशो इस साल के आखिर तक इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी IPO ला सकती है। कंपनी इसके जरिए एक बिलियन डॉलर (करीब 8300 करोड़ रुपए) जुटाना चाहती है। मीशो यह फंडिंग 10 बिलियन डॉलर (करीब 85,500 रुपए) के वैल्यूएशन पर उठाएगी। कंपनी कुछ हफ्तों में इसके लिए ड्राफ्ट डॉक्यूमेंट्स भी फाइल करने वाली है। इस बात की जानकारी मनीकंट्रोल ने दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मीशो ने इसके लिए मॉर्गन स्टेनली, कोटक महिंद्रा कैपिटल और सिटी को अपना IPO एडवाइजर बनाया है। इस साल सितंबर-अक्टूबर के बीच स्टॉक एक्सचेंजों लिस्टिंग होने की उम्मीद है।

दो राउंड में करीब 4,705 करोड़ फंडिंग ले चुकी है मीशो

कंपनी टोटल 50 मिलियन डॉलर (करीब 4705 करोड़ रुपए) का फंडिंग उठा चुकी है। इसी साल की शुरुआत में मीशो ने टाइगर ग्लोबल, थिंक इन्वेस्टमेंट्स और मार्स ग्रोथ कैपिटल जैसे निवेशकों से लगभग $250-$270 मिलियन (करीब 2300 करोड़ रुपए) का फंड जुटाया था। तब कंपनी की वैल्यूएशन $3.9-4 बिलियन डॉलर (करीब 34,242 करोड़ रुपए) रहा।

एक साल में 97% कम हुआ मीशो का लॉस

वित्त वर्ष 2023-24 में मीशो ने 7,615 करोड़ का रेवेन्यू जनरेट किया। यह पिछली वित्त वर्ष के मुकाबले 33% ज्यादा है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी ने 5,735 करोड़ का रेवेन्यू जनरेट किया था। इस दौरान कंपनी का नेट लॉस 97% घटकर 1,569 करोड़ रुपए से 53 करोड़ रुपए पर आ गया। 2024 के आखिर में मीशो प्लेटफॉर्म के ऑर्डर में सालाना आधार पर 35% बढ़ोतरी हुई। कंपनी के प्लेटफॉर्म से 17.5 करोड़ ग्राहकों ने शॉपिंग की। इसके आधे से ज्यादा ग्राहक टियर-4 और छोटे शहरों से आए।

सोने से भी तेज दौड़ी चांदी

नई दिल्ली। सोने की बढ़ती कीमतों के साथ-साथ चांदी की चमक भी निवेशकों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। कोटक सिक्योरिटीज के कमोडिटी रिसर्च विशेषज्ञ कायनात चैनवाला के अनुसार, यदि तेजी जारी रही तो कॉमैक्स चांदी 40 डॉलर प्रति औंस तक जा सकती है, जबकि एमसीएक्स पर इसकी कीमत अगले 3-4 महीनों में 1,25,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंचने की संभावना है। विशेषज्ञों के अनुसार, ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद, चीन में मांग में सुधार और औद्योगिक क्षेत्र में तेजी चांदी के दाम को और ऊपर ले जा सकती है। साल 2024 की पहली तिमाही में चांदी ने 15% रिटर्न दिया है, जो इसे एक मजबूत निवेश विकल्प बनाता है।

बिहार, ओडिशा और बंगाल में 63,858 करोड़ की इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं की समीक्षा

नई दिल्ली। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT) के परियोजना निगरानी समूह (PMG) ने बिहार, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में 19 प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की समीक्षा की है। इन परियोजनाओं की कुल लागत 63,858 करोड़ रुपये से अधिक है। बैठक में 23 प्रमुख मुद्दों की पहचान कर उनके समाधान पर चर्चा की गई। बैठक में श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के तहत पांच परियोजनाओं की समीक्षा की गई, जो इन राज्यों में ईएसआईसी अस्पतालों से जुड़ी हैं। इनका उद्देश्य बीमित नागरिकों और उनके परिवारों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना है। इसके अलावा, इस्पात, कोयला, सड़क परिवहन, पेट्रोलियम, रेलवे और बिजली मंत्रालयों की परियोजनाओं पर भी चर्चा की गई। बैठक में बिहार के बक्सर में 1320 मेगावाट क्षमता वाले थर्मल पावर प्लांट (लागतः 10,439.09 करोड़ रुपये) को लेकर विशेष रूप से चर्चा हुई।

SML Isuzu को खरीद सकती है महिंद्रा एंड महिंद्रा

मुंबई। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड SML Isuzu में हिस्सेदारी खरीद सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, महिंद्रा इस कंपनी में प्रमोटरों की पूरी हिस्सेदारी खरीदने के लिए बातचीत कर रही है। SML Isuzu एक भारतीय कंपनी है, जो हल्के और मीडियम साइज के कॉमर्शियल व्हीकल्स बनाती है। इस डील से महिंद्रा एंड महिंद्रा को ट्रक और बस सेगमेंट में अपनी मौजूदगी

मजबूत करने में मदद मिलेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, M&M की नजर SML Isuzu के शेयरों को 1,400 से 1,500 रुपए प्रति शेयर के भाव पर खरीदने की है। इस खबर के बाद SML Isuzu का शेयर 24 मार्च को 3.09% की तेजी के साथ 1,703 रुपए पर बंद हुआ। इस कंपनी का मौजूदा मार्केट कैप 2,500 करोड़ रुपए है। वहीं M&M का शेयर 0.89% की गिरावट के साथ 2,777 रुपए पर बंद हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक, M&M का बोर्ड इस हफ्ते होने वाली एक मीटिंग में SML Isuzu में प्रमोटरों की हिस्सेदारी को खरीदने के प्रस्ताव पर विचार करेगा।

आईपीएल 2025

गिल के सामने होगी अय्यर की चुनौती

नए कप्तान के साथ विजयी शुरुआत करने उतरेगी पंजाब

एजेंसी । अहमदाबाद

पंजाब किंग्स आईपीएल 2025 में अपने अभियान की शुरुआत गुजरात टाइटंस के खिलाफ करेगी। इन दोनों ही टीमों का प्रदर्शन पिछले सीजन अच्छा नहीं रहा था। गुजरात 2022 सीजन की विजेता रही है, लेकिन पंजाब फ्रेंचाइजी ने कभी भी आईपीएल का खिताब नहीं जीता है। पंजाब इस बार नए कप्तान के साथ उतरेगी और उसकी कोशिश विजयी शुरुआत करने की होगी। पंजाब ने श्रेयस अय्यर को टीम का कप्तान बनाया था जिनके नेतृत्व में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने पिछले सीजन खिताब अपने नाम किया था। इस बार श्रेयस के सामने पंजाब को विजेता बनाने की चुनौती होगी। श्रेयस आईपीएल में सफल कप्तानों में गिने जाते हैं। उन्होंने केकेआर को खिताब दिलाने से पहले 2020 सीजन में दिल्ली कैपिटल्स को अपनी कप्तानी में फाइनल में पहुंचाया था, लेकिन टीम उस वक्त विजेता नहीं बन सकी थी। अब उनका लक्ष्य पंजाब का आईपीएल खिताब जीतने का 18 साल लंबा इंतजार खत्म करना होगा।

पंजाब को पहले खिताब की तलाश

पंजाब उन फ्रेंचाइजी में शामिल है जो करीब आकर भी ट्रॉफी नहीं जीत सकी है। पंजाब आईपीएल 2018 के सेमीफाइनल में पहुंचा था, जबकि उसने 2014 में फाइनल में जगह बनाई थी। उस वक्त फाइनल में केकेआर ने उसे हराया था, लेकिन पिछले चार वर्षों में पंजाब की टीम शीर्ष पांच में भी जगह नहीं बना सकी है। किंग्स इलेवन पंजाब से पंजाब किंग्स बनने के बावजूद इस टीम को अब भी अपने पहले आईपीएल खिताब का इंतजार है।

पिछली गलतियों से गुजरात को लेनी होगी सीख

दूसरी तरफ, भारतीय वनडे टीम के उपकप्तान शुभमन गिल के लिए गुजरात के कप्तान के तौर पर पिछला सीजन अच्छा नहीं रह था और टीम अंक तालिका में आठवें स्थान पर रही थी। गुजरात ने 2022 में हार्दिक पांड्या की कप्तानी में खिताब जीता था और 2023 में उपविजेता रही थी। लेकिन पिछले गुजरात ने अपना कप्तान बदला और गिल को जिम्मेदारी सौंपी।

गिल-अय्यर में होगी जंग

इस मैच में गिल और अय्यर के बीच जंग देखने मिलेगी जो हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम का हिस्सा थे। दोनों ही बल्लेबाज शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। अय्यर ने जहां भारत की तरफ से टूर्नामेंट में सर्वाधिक 243 रन बनाए, वहीं गिल ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले मैच में शतक ठोका था और आगे भी उन्होंने महत्वपूर्ण योगदान दिया। अब दोनों खिलाड़ी एक दूसरे के खिलाफ होंगे।

गिल-बटलर करेंगे शुरुआत

गुजरात के पास गिल और इंग्लैंड के जोस बटलर के रूप में आदर्श सलामी जोड़ी है। मध्यक्रम की कमान वेस्टइंडीज के शेरफेन रदरफोर्ड, साई सुदर्शन और मसूद शाहरुख खान के हाथों में होगी, जबकि ऑलराउंडर राशिद खान, राहुल तेवतिया, ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर और महिपाल लोमरोर से योगदान की उम्मीद है। गेंदबाजी में मोहम्मद सिराज अपना प्रभाव छोड़ना चाहेंगे। तेज गेंदबाजी विभाग में उनके साथ देने के लिए कैगिसो रबाडा, प्रसिद्ध कृष्णा, दक्षिण अफ्रीका के गेराल्ड कोएत्जे और अनुभवी इशांत शर्मा जैसे अच्छे गेंदबाज शामिल हैं। गुजरात के स्पिन विभाग की जिम्मेदारी फिर से राशिद खान निभाएंगे।

श्रेयस-मैक्सवेल पर रहेगी जिम्मेदारी

पंजाब की बल्लेबाजी की बात करें तो उसकी बल्लेबाजी मुख्य रूप से कप्तान अय्यर, जोश इंग्लिस, प्रभसिमरन सिंह, मार्कस स्टोइनिस और ग्लेन मैक्सवेल पर निर्भर रहेगी। पंजाब की टीम में अजमतुल्लाह उमरजई, स्टोइनिस, मार्को जानसेन, शशांक सिंह और मुशीर खान जैसे ऑलराउंडर हैं। पंजाब के तेज गेंदबाजी विभाग का नेतृत्व अर्शदीप सिंह करेंगे। उनके अलावा पंजाब के तेज गेंदबाजी विभाग में लॉकी फर्ग्यूसन, कुलदीप सेन और यश ठाकुर शामिल हैं, जबकि लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल और बाएं हाथ के स्पिनर हरप्रीत बरार स्पिन विभाग की जिम्मेदारी संभालेंगे।

IPL 2025 के लिए दोनों टीमों का स्क्वाड

गुजरात टाइटंसः राशिद खान, शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, शेरफेन रदरफोर्ड, अरशद खान, ग्लेन फिलिप्स, करीम जनत, महिपाल लोमरोर, निशांत सिंधु, साई किशोर, वॉशिंगटन सुंदर, अनुज रावत, जॉस बटलर (विकेटकीपर), कुमार कुशाग्र, जेराल्ड कोएत्जी, गुरनूर बराड़, इशांत शर्मा, जयंत यादव, कागिसो रबाडा, कुलवंत खेजरोलिया, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा

पंजाब किंग्सः श्रेयस अय्यर (कप्तान), युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, शशांक सिंह, प्रभसिमरन सिंह, मार्कस स्टोइनिस, मार्को यानसन, नेहाल वढेरा, ग्लेन मैक्सवेल, प्रियांश आर्या, जोश इंग्लिश, अजमतुल्लाह ओमारजई, लॉकी फर्ग्युसन, वैशाक विजयकुमार, यश ठाकुर, हरप्रीत बरार, अरोन हार्डी, विष्णु विनोद, कुलदीप सेन, सूर्यांश शेगड़े, मुशीर खान, हरनूर पन्नू, जेवियर बार्टलेट, पाल्या अविनाश, प्रवीण दुबे।

मियामी ओपन

जोकोविच और राडुकानू प्री-क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी । फ्लोरिडा

सर्बिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच और ग्रेट ब्रिटेन की एमा राडुकानू मियामी ओपन के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। इस जीत के साथ ही जोकोविच एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट्स में 411 जीत के आंकड़े पर पहुंच गए हैं। चौथी वरीयता प्राप्त सर्बियाई खिलाड़ी जोकोविच ने अर्जेंटीना के कैमिलो उगो कैराबेली को 6-1, 7-6, (7-1) से पराजित किया। जोकोविच ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए पहला सेट मात्र 34 मिनट में जीत लिया और दूसरे सेट में जल्दी ही ब्रेक ले लिया। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने जोकोविच ने टाई-ब्रेक के बाद कैराबेली को 7-1 से हराकर अपनी जीत पक्की की। महिला एकल में राडुकानू अमेरिका की मैक्कार्टिनी केसलर के मैच से हटने से वॉकओवर के साथ प्री-क्वार्टर में पहुंच गईं। जब 25 वर्षीय केसलर मुकाबले से हटीं, तब राडुकानू 6-1, 3-0 से आगे थीं। उनके अलावा चौथी वरीय अमेरिका की जेसिका पेगुला और अमांडा अनीसिमोवा भी प्री-क्वार्टर में पहुंच गई हैं।

राफा को पछाड़ा

एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में 411वीं जीत के साथ वह राफेल नडाल से आगे निकल कर सर्वकालिक सूची में शीर्ष स्थान पर पहुंच गए हैं। सातवें मियामी ओपन खिताब की तलाश में 37 वर्षीय खिलाड़ी जोकोविच अंतिम 16 में इटली के लोरेंजो मुसेटी से भिड़ेंगे। मुसेट्टी ने कनाडा के फेलिक्स ऑगर अलियासिमे को 4-6, 6-2, 6-3 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। दूसरी ओर, नौवीं वरीयता प्राप्त यूनान के स्टेफानोस सिटसिपास, 24वीं वरीयता प्राप्त अमेरिका के सेबेस्टियन कोर्डा से 7-6 (7-4) 6-3 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। एक अन्य मुकाबले में बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव ने रूस के कारेन खाचानोव को 6-7 (7-3) 6-4, 7-5 से शिकस्त दी।

सुमित रेड्डी का संन्यास

राष्ट्रमंडल खेलों के पूर्व पदक विजेता रह चुके हैं सुमित

नई दिल्ली। भारत के युगल शटलर और 2022 राष्ट्रमंडल खेलों की मिश्रित रजत पदक विजेता टीम के सदस्य बी सुमित रेड्डी ने सक्रिय बैडमिंटन खिलाड़ी के रूप में संन्यास ले लिया है। अब वह सारा ध्यान कोचिंग पर केंद्रित करेंगे। उन्होंने सोशल मीडिया पर यह घोषणा की। हैदराबाद के 33 वर्षीय खिलाड़ी ने पुरुष युगल में मनु अत्री के साथ जोड़ी बनाई। फिर अपनी पत्नी एन सिकी रेड्डी सहित कई खिलाड़ियों के साथ मिश्रित युगल भी खेला। सुमित और मनु की करियर की शीर्ष विश्व रैंकिंग 17 रही। दोनों ने 2016 दक्षिण एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक जीता, रियो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया और हैदराबाद में एशिया टीम चैंपियनशिप में पुरुष टीम का भी हिस्सा थे।

कबड्डी महासंघ पर लगा प्रतिबंध हटेगा

नई दिल्ली। भारतीय कबड्डी खिलाड़ियों को राहत देते हुए खेल की अंतरराष्ट्रीय शासी संस्था अगले महीने राष्ट्रीय महासंघ पर लगा निलंबन हटाने जा रही है। अदालत द्वारा नियुक्त प्रशासक ने कार्यभार निर्वाचित संस्था को सौंप दिया है। अंतरराष्ट्रीय कबड्डी महासंघ (आईकेएफ) के अध्यक्ष विनोद कुमार तिवारी ने सोमवार को बताया कि अगले महीने होने वाली कार्यकारी परिषद की बैठक के बाद प्रतिबंध हटा लिया जाएगा। तिवारी ने कहा, एकेएफआई पदाधिकारियों ने जेएलएन स्टेडियम में कार्यालय से काम करना शुरू कर दिया है। इसलिए एकेएफआई पर प्रतिबंध हटा दिया जाएगा।

हरमनप्रीत, मंधाना और दीप्ति शीर्ष श्रेणी में बरकरार

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर, उप कप्तान स्मृति मंधाना और हरफनमौला खिलाड़ी दीप्ति शर्मा को ग्रेड ए में बरकरार रखा गया है, जो भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के केंद्रीय अनुबंध की सर्वोच्च श्रेणी है। बोर्ड ने 16 अनुबंधित खिलाड़ियों की सूची सोमवार को जारी की। तेज गेंदबाज रेणुका ठाकुर, ऑलराउंडर जेमिमा रोड्रिग्स, विकेटकीपर ऋचा घोष और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को भी ग्रेड बी में बनाए रखा गया है। लेकिन पिछले साल ग्रेड बी में शामिल बाएं हाथ की स्पिनर राजेश्वरी गायकवाड अपना अनुबंध बरकरार नहीं रख पाईं। युवा ऑफ स्पिनर श्रेयंका पाटिल, तेज गेंदबाज टिटास साधु और अरुंधति रेड्डी, ऑलराउंडर अमनजोत कौर और विकेटकीपर उमा छेत्री को पहली बार केंद्रीय अनुबंध में शामिल किया गया है। उन्हें यास्तिका भाटिया, राधा यादव, स्नेह राणा और पूजा वस्त्राकर के साथ ग्रेड सी में शामिल किया गया है।

हरलीन को नहीं मिली जगह

जिन खिलाड़ियों को केंद्रीय अनुबंध में जगह नहीं मिल पाई उनमें मेघना सिंह, देविका वैद्य, सब्बीनेनी मेघना, अंजलि सरवानी और हरलीन देयोल शामिल हैं। केंद्रीय अनुबंध में ए श्रेणी में शामिल महिला क्रिकेटर को सालाना 50 लाख, बी श्रेणी की क्रिकेटर को 30 लाख और सी श्रेणी की क्रिकेटर को 10 लाख रुपए मिलते हैं।

डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह बने UWW-एशिया के ब्यूरो सदस्य

अम्मान (जॉर्डन)। भारतीय कुश्ती महासंघ (WFI) के अध्यक्ष संजय कुमार सिंह को सोमवार को यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (UWW) एशिया का ब्यूरो सदस्य चुना गया। यह चुनाव एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप की शुरुआत से एक दिन पहले अम्मान में UWW-एशिया की आम सभा के दौरान हुआ। WFI के अनुसार, संजय सिंह ने 38 में से 22 मत हासिल किए, जिससे एशियाई कुश्ती समुदाय का मजबूत समर्थन झलकता है। इस प्रतिष्ठित पद पर उनका चुनाव भारतीय कुश्ती के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। इस चुनाव से अंतरराष्ट्रीय कुश्ती मंच पर भारत की उपस्थिति और मजबूत होगी।

बॉलीवुड

पेरेंट्स बने अथिया-राहुल

बॉलीवुड अभिनेत्री अथिया शेट्टी के घर नन्हीं परी ने जन्म लिया है। अथिया ने अपनी बेटी के आगमन की खुशी को अपने फैंस के साथ साझा किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर यह खबर दी, जिसके बाद उनके चाहने वालों में उत्साह की लहर दौड़ गई।

सोशल मीडिया पर अथिया ने साझा की पोस्ट

अथिया ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक संक्षिप्त और भावुक संदेश के जरिए घर के नए सदस्य के आगमन की जानकारी दी। उनकी इस घोषणा के बाद फैंस और इंडस्ट्री के दोस्तों ने उन्हें बधाई देना शुरू कर दिया। यह उनके और उनके पति केएल राहुल के लिए बेहद खास पल है।

कई फिल्मी हस्तियों ने दी बधाई

इस खबर के सामने आते ही कई फिल्मी सितारों ने अथिया और केएल राहुल को बधाइयां दीं। मृणाल ठाकुर ने पोस्ट पर टिप्पणी करते हुए लिखा, ₹बधाईइ। इसके साथ उन्होंने लाल दिल वाले इमोजी भी साझा किए।

वहीं, शनाया कपूर, कियारा आडवाणी, टाइगर श्रॉफ, भूमि पडनेकर, कृति सेनन, सोफी चौधरी समेत कई सितारों ने भी इस पोस्ट को देखकर अपनी खुशी व्यक्त की।

नहीं रहे 'भाबीजी घर पर हैं' के लेखक मनोज संतोषी

'भाबीजी घर पर हैं', 'हप्पू की उलटन-पलटन', 'जीजा जी छत पर' और 'मैडम मैं आइ कम इन' जैसे धारावाहिकों के लेखक मनोज संतोषी का निधन हो गया है।

काफी समय से वह लीवर की बीमारी से ग्रसित थे। हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में मनोज का इलाज चल रहा है, जहां उन्होंने बीती रात अंतिम सांस ली।मनोज का पार्थिव शरीर आज देर रात हैदराबाद से बुलंदशहर के रामघाट ले जाया जाएगा। पार्थिव शरीर अलीगढ़ से होकर जाएगा।

गायक बनना चाहते थे मनोज

मनोज का जन्म बुलंदशहर में गंगा किनारे बसे कस्बा रामघाट में 1976 में हुआ था। वह बचपन से एक गायक बनना चाहते थे, जिसके लिए उन्होंने मुंबई का रुख किया। हालांकि, मुंबई में मनोज की मुलाकात एक लेखक से हुई, जिसके बाद उन्होंने लेखक बनने का फैसला लिया। मनोज के निधन से हर कोई गमगीन है। टीवी शो में भी मातम पसर गया है। कविता कौशिक से सौम्या टंडन तक, कई सितारों ने उनके निधन पर शो व्यक्त कियो है।

'छोरी' के सीक्वल का ऐलान

अभिनेत्री नुसरत भरूचा की फिल्म 'छोरी' 26 नवंबर, 2021 को OTT प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी। इस फिल्म को दर्शकों का खूब प्यार मिला, वहीं समीक्षकों ने भी फिल्म की कहानी को काफी सराहा। प्रशंसक पिछले काफी समय से 'छोरी' के सीक्वल की मांग कर रहे थे। आखिरकार लगभग 4 साल बाद 'छोरी' के सीक्वल का ऐलान हो गया है। इसके साथ फिल्म का पहला पोस्टर भी सामने आ गया है।

विशाल फुरिया कर रहे निर्देशन

नुसरत ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर 'छोरी 2' का पोस्टर साझा किया है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'कुछ भयावहताएं दबी रहने से इनकार करती हैं... कुछ लौट रहा है।' फिल्म में नुसरत एक बार फिर साक्षी के किरदार में दिखाई देंगी। उनके साथ अभिनेत्री सोहा अली खान भी नजर आएंगी। 'छोरी 2' के निर्देशन की कमान विशाल फुरिया ने संभाली है। फिल्म की कहानी भी इन्होंने ही लिखी है।

पत्रलेखा-प्रतीक गांधी ने दिखाया महात्मा ज्योतिराव-सावित्रीबाई का संघर्ष

'फुले' का ट्रेलर जारी

हाल ही में फिल्म 'फुले' का ट्रेलर रिलीज हुआ है। यह फिल्म एक बायोग्राफिकल ड्रामा है। इस फिल्म के ट्रेलर में अभिनेत्री पत्रलेखा, अभिनेता प्रतीक गांधी, महात्मा ज्योतिराव फुले और उनकी सावित्रीबाई फुले के किरदारों में नजर आ रहे हैं। ज्योतिराव फुले और सावित्रीबाई फुले किस प्रकार समाज में क्रांति लेकर आए, उन्होंने महिलाओं, दलितों के लिए बदलाव की राह तैयार की, इन्हीं बातों की झलक ट्रेलर में नजर आती है। फिल्म का 'ट्रेलर' दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ाने में कामयाब नजर आता है। अनंत महादेवन द्वारा निर्देशित फिल्म 'फुले' में प्रतीक गांधी ने ज्योतिराव फुले और पत्रलेखा ने उनकी पत्नी ज्ञानज्योति सावित्रीबाई फुले की भूमिका निभाई है। किस प्रकार से समाजक सुधारक ज्योतिराव फुले और सावित्रीबाई फुले ने महाराष्ट्र के पितृसत्तात्मक समाज में महिलाओं, विधवाओं और दलितों के जीवन को बदला। इसी बात की झलक फिल्म के ट्रेलर में नजर आती है। यह फिल्म महात्मा ज्योतिराव फुले की जयंती के मौके पर रिलीज होने वाली है। इस फिल्म की रिलीज डेट 11 अप्रैल 2025 रखी गई है।

'लुसफिर' से भिड़ने आज टिकट खिड़की पर उतरेगा 'सिकंदर'

बॉक्स ऑफिस पर लक्ष्मण उतेकर निर्देशित 'छावा' की रफ्तार बरकरार है। फिल्म ने रिलीज के 38वें दिन तक 583.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। इसमें से हिंदी में 567.75 करोड़ और तेलुगु में 15.50 करोड़ रुपये की कमाई हुई है। कम लागत में बनी जॉन अब्राहम की 'द डिप्लोमैट' ने 25 करोड़ रुपये की कमाई कर यह साबित कर दिया कि दमदार कंटेंट वाली फिल्में भी बॉक्स ऑफिस पर टिक सकती हैं। अब अगला बड़ा मुकाबला सलमान खान की 'सिकंदर' और मोहनलाल की 'एल 2 एम्पुरान' के बीच होने जा रहा है। 'एल 2 एम्पुरान' की एडवांस बुकिंग शानदार रही है।

न्यूज़ ब्रीफ

संसदीय कार्य मंत्रालय में कोई आरटीआई और लोक शिकायत लंबित नहीं

नई दिल्ली। संसदीय कार्य मंत्रालय में 2024 के अंत तक कोई आरटीआई और कोई लोक शिकायत का मामला निपटान के लिए लंबित नहीं था। संसदीय कार्य तथा सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने आज राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। इसमें बताया गया कि वर्ष 2025 में 17 मार्च तक मंत्रालय को 57 आरटीआई और 333 लोक शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से सभी का निपटारा कर दिया गया है।

सज्जन कुमार के खिलाफ सुनवाई 14 अप्रैल तक टली

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू अदालत ने सोमवार को 1984 सिख विरोधी दंगों के जनकपुरी से जुड़े मामले में कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार की सुनवाई टाल दी। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा की अदालत ने अब इस मामले की अगली सुनवाई 14 अप्रैल को तय की है। इस मामले में सोमवार को सज्जन कुमार का बयान दर्ज होना था, लेकिन कार्यवाही को आगे बढ़ा दिया गया। गौरतलब है कि अदालत ने 25 फरवरी को सरस्वती विहार दंगा मामले में सज्जन कुमार को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। 1984 के सिख विरोधी दंगों के दौरान 1 नवंबर को जनकपुरी में सोहन सिंह और उनके दामाद अवतार सिंह की हत्या कर दी गई थी। वहीं, विकासपुरी इलाके में गुरुचरण सिंह को जिंदा जला दिया गया था। 2015 में विशेष जांच समिति (SIT) ने इन मामलों में केस दर्ज कर जांच शुरू की। 2018 में सज्जन कुमार का पॉलिग्राफ टेस्ट भी किया गया था। अब अदालत इस मामले में 14 अप्रैल को अगली सुनवाई करेगी।

लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में गवाह को मिल रही धमकी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में गवाही देने वाले एक चश्मदीद गवाह को धमकाए जाने के आरोप के बाद उत्तर प्रदेश पुलिस को मामले की जांच करने की अनुमति दी। मामले में गवाह ने आरोप लगाया था कि उसे पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय कुमार मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा के खिलाफ गवाही देने के कारण धमकाया गया। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत और एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने यूपी पुलिस को निर्देश दिया कि वह इस मामले की निष्पक्ष तरीके से जांच करें। साथ ही अपनी रिपोर्ट में पहले से निकाले गए निष्कर्षों से प्रभावित हुए बिना मामले की समीक्षा करें। अदालत ने यह भी कहा कि अगर जरूरत पड़ी, तो पुलिस एक नई स्थिति रिपोर्ट दाखिल कर सकती है।

आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़

अनंतनाग। अनंतनाग जिले के एक जंगल में सुरक्षाबलों ने एक आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़ किया है। इसका इस्तेमाल आतंकवादी रसद अड्डे के रूप में कर रहे थे। यहां से 200 खाली एके कारतूस, दो गैस सिलेंडर, एक चीनी ग्रेनेड, एक नाइट विजन डिवाइस (एनवीडी), बिस्तर, बर्तन और खाने के पैकेट बरामद किये गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि इस ठिकाने का भंडाफोड़ विशेष अभियान समूह (एसओजी) अनंतनाग, सेना की 19 राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने संगलान जंगल के ऊंचे इलाकों में उत्तरसू पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में किया। पुलिस ने कहा कि विशिष्ट खुफिया सूचनाओं के आधार पर सुरक्षाबलों ने घने जंगल क्षेत्र में गहन तलाशी अभियान चलाया, जिससे इस ठिकाने का पता चला। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि इसका इस्तेमाल आतंकवादी रसद अड्डे के रूप में कर रहे थे।

आज आएगा दिल्ली सरकार का बजट

- कई मुद्दों पर बड़े ऐलान की लोगों को उम्मीद
- यमुना को लेकर भी बड़ी घोषणा संभव

एजेंसी । नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में 27 साल बाद भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की सरकार अपना बजट पेश करने वाली है। इस बजट से दिल्लीवालों को काफी उम्मीदें हैं। मंगलवार को जब सीएम रेखा गुप्ता बजट पेश करेंगी तो सबकी नजरें दिल्ली को मिलने वाले तोहफों पर रहेंगी। गौरतलब है कि सीएम गुप्ता के पास ही वित्त विभाग भी है। इससे पहले बीजेपी सरकार ने पूर्ववर्ती आम आदमी पार्टी की सरकार पर जमकर निशाने साधे हैं।

यमुना की सफाई को लेकर घोषणा संभव

दिल्ली विधानसभा चुनाव में इस बार यमुना नदी की सफाई का मुद्दा चारों तरफ छाया रहा। भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने चुनाव से पहले इस मुद्दे को जमकर उठाया। इस मुद्दे पर इतनी ज्यादा राजनीति हुई कि आम आदमी पार्टी ने हरियाणा की तरफ से नदी के पानी में कथित 'जहर' फैलाए जाने का आरोप लगा दिया। इसके बाद हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने खुद यमुना तट पर पहुंचकर कैमरे के सामने यमुना नदी का पानी पीया। कुछ दिनों पहले बीजेपी की सरकार ने यमुना नदी के किनारे पर यमुना आरती भी शुरू की, जिसके बाद अब लोगों को उम्मीद है।

संपत्ति कर को लेकर राहत का इंतजार

दिल्ली चुनाव में हुई करारी हार से आम आदमी पार्टी ने बड़ा सबक लिया है। एमसीडी में आम आदमी पार्टी ने पिछले महीने यह ऐलान किया कि दिल्ली के लोगों को हाउस टैक्स में बड़ी राहत दी जाएगी। AAP की स्थानीय सरकार ने फैसला लिया कि साल 2024-25 का हाउस टैक्स भरने वाले दिल्ली के मकान मालिकों का पिछला पूरा बकाया माफ कर दिया जाएगा। इतना ही नहीं अगर वे इस साल हाउस टैक्स जमा कर देते हैं तो उन्हें नए वित्तीय वर्ष में भी छूट दी जाएगी। AAP के इस ऐलान के बाद अब भारतीय जनता पार्टी की दिल्ली सरकार पर भी दिल्लीवालों को संपत्ति कर में कोई बड़ा ऐलान करने का दबाव नजर आ रहा है।

बिजली-पानी पर छूट को लेकर हो ऐलान

दिल्ली की पिछली आम आदमी पार्टी सरकार के कार्यकाल में दिल्लीवालों को 200 यूनिट तक फ्री बिजली का प्रावधान किया गया था। इसके अलावा दिल्ली के लोगों को हर महीने 20 हजार लीटर पानी प्रति परिवार के हिसाब से फ्री दिया जाता है। लोगों को उम्मीद है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार कम से कम इस योजना को आगे लागू रखेगी। हालांकि, चुनाव के समय भी बीजेपी ने इन योजनाओं को जारी रखने की बात कही थी।

गुलाम नबी लोन हत्याकांड

हाइकोर्ट ने आरोपियों के बरी होने के फैसले को बरकरार रखा

एजेंसी । श्रीनगर

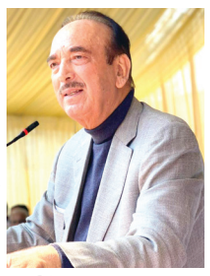

जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय ने पूर्व शिक्षा मंत्री गुलाम नबी लोन हत्याकांड में ट्रायल कोर्ट द्वारा आरोपियों को बरी किए जाने के फैसले को बरकरार रखा है। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की अपील को खारिज करते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष के साक्ष्य विरोधाभासों से भरे हुए थे और विश्वास के योग्य नहीं थे।

क्या था मामला?

18 अक्टूबर 2005 को श्रीनगर के तुलसीबाग स्थित सरकारी क्वार्टर में पाकिस्तानी आतंकियों अबू ओसामा और बिलाल उर्फ सलाहुद्दीन ने हमला किया था। आतंकियों का असली निशाना सीपीएम नेता और विधायक एमवाई तारिगामी थे, लेकिन हमलावर गलती से शिक्षा मंत्री गुलाम नबी लोन के आवास में घुस गए, जिससे उनकी हत्या हो गई।

2012 में ट्रायल कोर्ट का फैसला

10 अक्टूबर 2012 को ट्रायल कोर्ट ने विश्वसनीय साक्ष्यों की कमी के आधार पर सैयद शब्बीर बुखारी, शकील अहमद सोफी और मुश्ताक हुसैन अखून को बरी कर दिया था। अभियोजन पक्ष ने इन पर आतंकियों को रसद सहायता देने और लश्कर-ए-तैयबा के ऑपरेशन प्रमुख बिलाल उर्फ सईद सलाहुद्दीन के निर्देशों पर काम करने का आरोप लगाया था। राज्य सरकार ने इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी, लेकिन न्यायमूर्ति संजीव कुमार और न्यायमूर्ति पुनीत गुप्ता की खंडपीठ ने 20 मार्च को सुनाए गए फैसले में ट्रायल कोर्ट के निर्णय को बरकरार रखा।

राज्यसभा में मुस्लिम आरक्षण पर हंगामा, कार्यवाही स्थगित

एजेंसी । नई दिल्ली

कर्नाटक विधानसभा में मुसलमानों को सरकारी ठेकों में 4% आरक्षण देने के प्रावधान वाला विधेयक पारित होने पर राज्यसभा में सोमवार को सत्ता पक्ष ने कड़ा विरोध जताया। बीजेपी ने कांग्रेस पर संविधान बदलने की कोशिश करने का आरोप लगाया, जिससे सदन में भारी हंगामा हुआ और कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक स्थगित करनी पड़ी।

राज्यसभा में नेता और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा, सरदार पटेल और डॉ. भीमराव अंबेडकर ने कहा था कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होगा। लेकिन कांग्रेस तेलंगाना और कर्नाटक में एससी, एसटी और ओबीसी के अधिकार छीनकर मुस्लिमों को आरक्षण दे रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि डीके शिवकुमार का बयान संविधान बदलने की कांग्रेस की मंशा को उजागर करता है।

खरगे का पलटवार

कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने जवाब देते हुए कहा, संविधान को कोई भी ताकत नहीं बदल सकती।

कांग्रेस का बीजेपी पर गंभीर आरोप

हंगामे के बीच कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बीजेपी पर दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के आवास से कथित रूप से नकदी मिलने के मामले से ध्यान भटकाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बीजेपी संसद में झूठा मुद्दा उठाकर सच्चे मामलों पर बहस से बच रही है। इस हंगामे के कारण राज्यसभा में शून्यकाल और प्रश्नकाल नहीं हो पाया।

आंध्र प्रदेश में हाथियों का आतंक

अब तक 11 की गई जान

एजेंसी । पार्वतीपुरम

आंध्र प्रदेश के मन्यम जिले में हाथियों का आतंक जारी है। इससे स्थानीय लोगों को अपने गांवों पर हाथियों के हमले का डर सता रहा है। हालांकि अधिकारियों ने पहले हाथियों को ओडिशा वापस खदेड़ने के लिए ऑपरेशन गजा शुरू किया था, लेकिन एक हाथी की मौत के बाद ऑपरेशन को बीच में ही रोक दिया गया। यहां तक कि एक झुंड

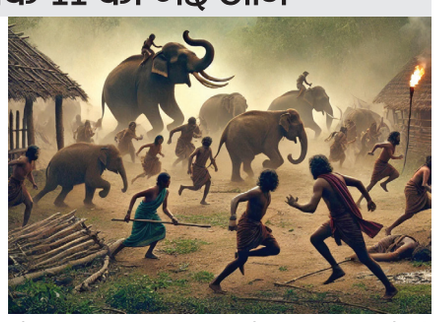

को विशाखापत्तनम चिड़ियाघर में स्थानांतरित करने की योजना भी कई कारणों से छोड़ दी गई।

फसलों को भारी नुकसान

दिसंबर 2024 तक हाथियों ने 3,305 एकड़ में फैली फसलों को नष्ट कर दिया था। 2025 में 630 एकड़ और फसलें नष्ट हो गई। अधिकारियों ने अब तक 3 तीन करोड़ रुपये का मुआवजा दिया है। सलूरू और कुरुपम की सीमा में जंथिकोंडा और जेके पाडु में विशेष हाथी क्षेत्र बनाने की योजना तैयार की गई थी। इसके लिए लगभग 1,209 एकड़ वन भूमि की पहचान की गई है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

> "हाथियों के लिए एक विशेष क्षेत्र के चारों ओर गड्ढे खोदे जा रहे हैं. सीतानगरम मंडल के गुचिमी में 1,100 एकड़ में गड्ढे खोदन का काम चल रहा है. हालांकि, कुछ स्थानीय लोग काम में बाधा डाल रहे हैं. उन्होंने कहा, 'हम इन बाधाओं को दूर करेंगे, हाथियों की रक्षा करेंगे और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे.
>
> -जी.ए.पी. प्रसूना, वन अधिकारी

लंबे समय से चली आ रही समस्या

- हाथी पहली बार 1998 में कुरुपम वन क्षेत्र में घुसे थे। हालांकि, वे 1999, 2007 और 2008 में वापस लौटे और अक्सर कुरुपम, गुम्मालक्ष्मीपुरम, जियाम्मावलासा, सीतामपेटा और वीरघट्टम के आसपास घूमते रहे और रास्ते में फसलों को नुकसान पहुंचाया। छह साल पहले एक झुंड कोमारदा मंडल में घुस आया और वहीं रुक गया। कुरुपम विधानसभा क्षेत्र में पहुंचे आठ हाथियों में से चार की मौत हो गई और एक अलग हो गया। इसका तब से कोई पता नहीं चला।

कैश कांड में फंसे जस्टिस वर्मा का हुआ तबादला

वकीलों के विरोध के बाद भी भेजे गए इलाहाबाद हाई कोर्ट

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट के वरिष्ठ जस्टिस यशवंत वर्मा का तबादला कर दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने जस्टिस यशवंत वर्मा को वापस इलाहाबाद हाई कोर्ट भेजने की सिफारिश की है। बता दें कि इससे पहले दिल्ली हाई कोर्ट रजिस्ट्री ने आधिकारिक रूप से घोषणा की थी कि जस्टिस यशवंत वर्मा से न्यायिक कार्य वापस ले लिया गया है। यह फैसला दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (CJ) देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) संजीव खन्ना के निर्देश के बाद लिया था।

दिल्ली हाईकोर्ट ने जस्टिस वर्मा को किया डिरोस्टर

इससे पहले जज यशवंत वर्मा को दिल्ली हाईकोर्ट ने डिरोस्टर कर दिया था। तत्काल प्रभाव से उनसे न्यायिक काम छीन लिया गया। ये फैसला तब लिया गया, जब उनके घर पर 14 मार्च, 2025 को आग लगी थी। आग लगने के बाद घर में बहुत सारा कैश मिला। जस्टिस वर्मा ने इन आरोपों को गलत बताया है। उनका कहना है कि नकदी उनकी या उनके परिवार की नहीं है। उन्होंने यह भी कहा है कि यह घटना उनकी छवि खराब करने की साजिश का हिस्सा है। वहीं, जस्टिस यशवंत वर्मा का तबादला इलाहाबाद हाइ कोर्ट में करने को लेकर वहां के वकील विरोध कर रहे हैं। सोमवार को हाई कोर्ट के वकीलों ने लंच के बाद सांकेतिक हड़ताल भी की। इलाहाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल तिवारी की अध्यक्षता में एक आम सभा हुई।

क्या है पूरा मामला?

बता दें कि हाल ही में जस्टिस यशवंत वर्मा के घर में आग लग गई थी। इस दौरान जस्टिस वर्मा घर में नहीं थे। फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाने के बाद जब घर में एंट्री की तो वहां बड़ी संख्या में नोट बिखरे मिले थे। इस घटना से पूरी दिल्ली में हड़कंप मच गया था।

जजों को छूट से जुड़े 1991 फैसले को दी गई चुनौती

सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर दिल्ली पुलिस को दिल्ली हाई कोर्ट के जज यशवंत वर्मा के सरकारी आवास से कथित तौर पर आधी जली हुई नकदी बरामद होने के मामले में एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने की मांग की गई है। इस याचिका में के. वीरस्वामी मामले में 1991 के फैसले को भी चुनौती दी गई है, जिसमें शीर्ष अदालत ने फैसला सुनाया था कि भारत के मुख्य न्यायाधीश की पूर्व अनुमति के बिना हाई कोर्ट या शीर्ष अदालत के किसी जज के खिलाफ कोई आपराधिक कार्यवाही शुरू नहीं की जा सकती।

कौन हैं जस्टिस यशवंत वर्मा?

जस्टिस यशवंत वर्मा का जन्म 6 जनवरी 1969 को इलाहाबाद में हुआ था। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज से बीकॉम (ऑनर्स) की पढ़ाई की और मध्य प्रदेश के रीवा विश्वविद्यालय से एलएलबी की डिग्री हासिल की। इलाहाबाद हाई कोर्ट में एक वकील के रूप में उन्होंने कॉर्पोरेट कानूनों, कराधान और कानून की संबद्ध शाखाओं के अलावा संवैधानिक, श्रम और औद्योगिक विधानों के मामलों में वकालत की। 56 वर्षीय जस्टिस वर्मा 1992 में अधिवक्ता के रूप में पंजीकृत हुए थे।

चलते-चलते

जेफ बेजोस 61 की उम्र में फिर बनेंगे दूल्हा

एजेंसी । न्यूयॉर्क

ई-कॉमर्स कंपनी एमेजॉन के संस्थापक और पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेफ बेजोस फिर से विवाह करेंगे। वह लॉरेन सांचेज के साथ शादी करेंगे। दो साल पहले उन्होंने सगाई की थी। निमंत्रण दिए जा चुके हैं और बताया जा रहा है कि इन्हीं गर्मियों में वह इटली में विवाह करेंगे। लॉरेन सांचेज एक अमेरिकी पत्रकार, टेलीविजन होस्ट, फिल्म प्रोड्यूसर हैं। कभी दुनिया के सबसे अमीर लोगों में रहे बेजोस ने वर्ष 2023 में सांचेज को करीब 21 करोड़ रुपये की एक गुलाबी हीरे की अंगूठी पहनाकर उन्हें प्रपोज किया था। बेजोस का साल 2019 में मैकेंजी के साथ तलाक हो गया था। उनकी

राहुल गांधी की नागरिकता विवाद

गृह मंत्रालय को 4 हफ्ते में फैसला देने का दिया निर्देश

एजेंसी । लखनऊ

इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी की कथित दोहरी नागरिकता के मामले में केंद्रीय गृह मंत्रालय को 4 सप्ताह के भीतर फैसला लेने का आदेश दिया है। मंत्रालय ने 8 हफ्ते का समय मांगा था, जिसे अदालत ने खारिज कर दिया।

क्या है मामला?

कर्नाटक के सामाजिक कार्यकर्ता एस विगनेश शिशिर ने इस मुद्दे पर जनहित याचिका दायर की थी। याचिका में दावा किया गया है कि राहुल गांधी के पास ब्रिटेन की नागरिकता भी है, जो भारतीय संविधान के अनुच्छेद 84(ए) के तहत चुनाव लड़ने की योग्यता का उल्लंघन करता है। यदि यह आरोप साबित होता है, तो उनकी सांसदी रद्द हो सकती है।

केंद्र को पहले ही दी गई थी जानकारी

19 दिसंबर 2024 को हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया था कि वह 24 मार्च 2025 तक मामले में अपनी कार्रवाई का ब्यौरा पेश करे। लेकिन सरकार ऐसा नहीं कर सकी। याचिका में भारतीय नागरिकता अधिनियम 1955 की धारा 9(2) के तहत राहुल गांधी की भारतीय नागरिकता रद्द करने की मांग की गई है। याचिकाकर्ता ने इसके समर्थन में ब्रिटिश सरकार के 2022 के गोपनीय मेल का हवाला दिया है। अब अदालत के आदेश के

देश में बढ़ रहे छात्रों की खुदकुशी के मामले

सुप्रीम कोर्ट ने बनाई टास्क फोर्स

एजेंसी । नई दिल्ली

4 महीने में मांगी रिपोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने देश भर के शैक्षणिक संस्थानों में छात्रों के बीच बढ़ रहे आत्महत्याओं के मुद्दे पर विचार करने के लिए पूर्व न्यायाधीश जस्टिस एस रवींद्र भट की अध्यक्षता में एक टास्क फोर्स का गठन किया है। टास्क फोर्स शैक्षणिक संस्थानों आईआईएम, एम्स, आईआईटी, एनआईटी और अन्य विश्वविद्यालयों में जातिगत प्रताड़ना के आरोपों की जांच करेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने दिया जांच का आदेश

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने साल 2023 मे दिल्ली IIT के दो छात्रों की मौत की जांच की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए ये आदेश जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को 2023 में एससी/एसटी समुदाय के दो आईआईटी-दिल्ली के छात्रों की मौत की जांच का आदेश दिया है। पिछली सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने अनुसूचित जाति वर्ग से संबंधित दो छात्रों के माता-पिता द्वारा दायर याचिका पर नोटिस जारी किया था। इन छात्रों की मौत IIT दिल्ली मे हुई थी।

IIT दिल्ली में हुई थी छात्रों की मौत

दोनों याचिकाकर्ताओं के बेटे आईआईटी दिल्ली में बी.टेक के छात्र थे और उनकी मृत्यु आईआईटी दिल्ली परिसर में 2023 में हो गई थी। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि दोनों छात्र अनुसूचित जाति समुदाय से आते थे और इस कारण उन्हें भेदभाव का सामना करना पड़ता था। याचिका मे ये भी आशंका जताई गई है कि छात्रों की हत्या की गई है। याचिका में कहा गया है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।

टोल वसूली में धांधली टोल ऑपरेटरों पर निगाह नहीं रख पा रही एनएचएआइ

टोल प्लाजा 1000 से ज्यादा, निगरानी केवल 100 की

देश में पिछले पांच साल में टोल प्लाजा की संख्या हुई दो गुनी

एजेंसी । नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेस वे में फास्टैग के रूप में लगभग शत-प्रतिशत (98 प्रतिशत) इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह के बावजूद लचर निगरानी के कारण न तो अनावश्यक देरी की समस्या खत्म हो पाई है और न ही गड़बड़ियों पर रोक लगाई जा सकी है। स्थिति यह है कि केवल 10 प्रतिशत टोल प्लाजा ही नियमित यानी 2437 निगरानी की सुविधा से लैस हैं और अभी इसके प्रभाव को लेकर कोई रिपोर्ट भी सार्वजनिक नहीं हुई है। देश में पिछले पांच साल में टोल प्लाजा की संख्या लगभग दो गुनी हो गई, लेकिन इसके अनुरूप निगरानी के ऐसे उपाय नहीं किए जा सके हैं जो टोल प्लाजा पर लोगों के प्रतीक्षा समय की रियल टाइम जानकारी दे सकें। सरकार ने विश्व बैंक के एक अध्ययन के आधार पर बताया है कि फास्टैग प्रणाली पर अमल के कारण एक वाहन के लिए औसत प्रतीक्षा समय घटकर 47 सेकेंड आ गया, लेकिन हकीकत यह है कि ज्यादातर टोल ऑपरेटरों की कमजोर प्रणाली के कारण यह स्थिति अभी बहुत दूर हैं।

2021 में लागू किए गए नियम पर नहीं हुआ अमल

वाहनों को टोल प्लाजा पार करने में कम से कम दो से तीन मिनट लग जाता है। उस पर एनएचएआइ ने हाल में यह नियम वापस ले लिया कि अगर लाइन सौ मीटर से लंबी हो जाए तो टोल बैरियर को खुले वाली स्थिति में छोड़ दिया जाना चाहिए। 2021 में लागू किए गए इस नियम पर एक बार भी अमल नहीं हुआ। उल्टे इसके विरोध के कारण सरकार को नियम वापस लेना पड़ा। परिवहन मंत्रालय की ओर से बताया गया कि फास्टैग की फूल-प्रूफ व्यवस्था के लिए नियमित निगरानी के उद्देश्य से 113 टोल प्लाजा को चुना गया है।

व्यवस्था सुधारने की कोशिश कर रही सरकार

रियल टाइम निगरानी वाले सबसे अधिक (36) उत्तर प्रदेश में हैं, जबकि पंजाब, हरियाणा और मध्य प्रदेश के पांच-पांच और दिल्ली का एक टोल प्लाजा खिड़की दौला शामिल है। इस रियल टाइम निगरानी के आधार पर सरकार एआइ सिस्टम के जरिये टोल प्लाजा की व्यवस्था सुधारने की कोशिश कर रही है। मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, रियल टाइम निगरानी वाले टोल प्लाजा की संख्या बढ़ाई जा रही है। देरी व्यावहारिक समस्याओं के कारण होती है।

टोल प्लाजा का निरीक्षण भी नहीं करते अधिकारी

एनएचएआइ को वाहनों की अनुमानित संख्या के प्रोजेक्शन को लेकर भी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। किसी स्ट्रेच पर वाहन उसकी अपेक्षा से ज्यादा बढ़ गए हैं। इनके अनुरूप टोल गेटों की संख्या कम है। पिछले साल जनवरी में एनएचएआइ की ओर से जारी किए गए। क्षेत्रीय अधिकारियों और परियोजना निदेशकों के लिए यह अनिवार्य किया गया था कि वे अपने क्षेत्र में आने वाले टोल प्लाजा का बिना सूचना के निरीक्षण करें। लेकिन वह ऐसे निरीक्षण से बचते हैं। इस निरीक्षण के अभाव में ही वाराणसी के एक टोल प्लाजा में नकद वसूली के नाम पर बड़ी धांधली उजागर हुई।

सीबीआई ने एनएचएआई के GM को 15 लाख की रिश्वत लेते पकड़ा

1.18 करोड़ कैश बरामद

पटना। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के पटना रीजनल ऑफिस में महाप्रबंधक (GM) रामप्रीत पासवान को 15 लाख रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। छापेमारी के दौरान सीबीआई को 1.18 करोड़ रुपये नकद भी मिले हैं। सीबीआई लंबे समय से एनएचएआई अधिकारियों की रिश्वतखोरी पर कार्रवाई कर रही है। इससे पहले भी कई अफसरों को रिश्वत लेते पकड़ा गया है।जून 2024: सीबीआई ने मध्य प्रदेश के छतरपुर में एनएचएआई के जीएम पुरुषोत्तम लाल चौधरी को 10 लाख की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया था। इस मामले में 6 अन्य आरोपी भी पकड़े गए थे। मार्च 2024: मध्य प्रदेश में एनएचएआई के जीएम अरविंद काले और डिप्टी जीएम बृजेश साहू समेत 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया था।